● वर्ष : 05 ● अंक : 19

● गाजियाबाद, मंगलवार 12 मई 2026

● पृष्ठ-6 ● मूल्य : दो रूपये

● RNI No - UPHIN/2022/84480

E-mail: swastiksaharanews@gmail.com

www.swastiksahara.com

नई दिल्ली, हरियाणा, गुरुग्राम, लखनऊ, नोएडा, मेरठ, हापुड़ और एनसीआर में सर्वाधिक प्रसारित

स्वास्तिक सहारा

हिन्दी दैनिक

गाजियाबाद से प्रकाशित

उस व्यक्ति को आलोचना करने का अधिकार है जो सहायता करने की भावना रखता है।

सोमनाथ के आसमान में सूर्यकिरण टीम का शौर्य

दिखा गौरव और वीरता का अद्भुत संगम: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को सोमनाथ में भारतीय वायु सेना की सूर्यकिरण टीम द्वारा किए गए शानदार फ्लाईपास्ट की सराहना करते हुए कहा कि इस आयोजन ने सभी के दिलों को अपार खुशी से भर दिया। प्रधानमंत्री ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि भारतीय वायु सेना की टीम के इस अद्भुत हवाई प्रदर्शन के माध्यम से सोमनाथ के आकाश में गौरव, वीरता और भक्ति का अनूठा संगम दिखाई दिया।

आज सोमनाथ में आकाश ने गौरव और वीरता का एक शानदार संगम देखा। भारतीय वायु सेना की सूर्यकिरण टीम ने एक अद्भुत फ्लाईपास्ट का प्रदर्शन किया। पीएम मोदी ने अपने पोस्ट में लिखा भक्ति और शक्ति की इस भावना ने सभी के दिलों को अपार खुशी से भर दिया।

इससे पहले दिन में, प्रधानमंत्री ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक स्मारक

डाक टिकट और सिक्का जारी किया और इस पवित्र स्थल के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित किया। सोमनाथ अमृत महोत्सव के दौरान सभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने इस अवसर को भगवान सदाशिव की दिव्य लीला का हिस्सा बताया और मंदिर के साथ अपने लंबे आध्यात्मिक जुड़ाव को याद किया।

उन्होंने कहा, ₹यह सब भगवान सदाशिव की दिव्य लीला है। दादा सोमनाथ के एक समर्पित साधक के रूप में, मैं यहां अनगिनत बार आया हूं; अनगिनत बार मैंने उनके सामने सिर झुकाया है। लेकिन आज, जब मैं यहां आ रहा था, समय के साथ यह यात्रा एक आनंदमय अनुभव प्रदान कर रही थी। कुछ ही महीने पहले, जब मैं यहां आया था, हम 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' मना रहे थे।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि राष्ट्र मंदिर में भगवान महादेव की प्रतिमा की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ मना रहा है और सोमनाथ अमृत महोत्सव को भक्ति, दृढ़ता और निरंतरता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि समय स्वयं उनकी इच्छा से प्रकट होता है; जो काल से परे हैं और जो काल स्वरूप हैं। आज हम देवताओं के देव, महादेव की प्रतिमा स्थापना की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। यह ब्रह्मांड, जो उनसे उत्पन्न हुआ है और अंततः उन्हीं में विलीन हो जाता है–आज हम उनके पवित्र निवास के पुनर्निर्माण का उत्सव मना रहे हैं। हलाहल (ब्रह्मांडीय विष) ग्रहण करके नीलकंठ बने।

दुनिया की कोई ताकत भारत को झुका नहीं सकती

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में ऐतिहासिक सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सोमनाथ अमृत महोत्सव में भाग लिया। भगवान शिव को समर्पित और बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक यह मंदिर, भारत की समृद्ध सभ्यतागत और आध्यात्मिक विरासत को प्रतिबिंबित करने वाले भव्य समारोहों का केंद्र था। यह महोत्सव भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्वारा 1951 में पुनर्निर्मित मंदिर की प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने हेलीपैड से वीर हमीरजी सर्कल तक एक रोड शो भी किया, जहां लगभग डेढ़ किलोमीटर के इस मार्ग पर हजारों लोग उनका स्वागत करने के लिए जमा हुए। प्रधानमंत्री के गुजरते समय नागरिकों ने झंडे लहराए, नारे लगाए और उनका अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि समय खुद जिनकी इच्छा से प्रकट होता है, जो स्वयं कालातीत हैं, जो स्वयं काल स्वरुप हैं, आज उन देवाधिदेव महादेव की विग्रह प्रतिष्ठा के हम 75 वर्ष मना रहे हैं। ये सृष्टि जिनसे सृजित होती है, जिनमें लय हो जाती है। आज हम उनके धाम के पुनर्निर्माण का उत्सव मना रहे हैं। जो हलाहल पीकर नीलकंठ हो गए, आज उन्हीं की शरण में यहां सोमनाथ अमृत महोत्सव हो रहा है।

'सनातन को मिटाने वाले खुद इतिहास से मिट गए', वाराणसी में गरजे सीएम योगी

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि 'विदेशी आक्रांताओं' ने भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को नष्ट करने के प्रयास किए लेकिन वह नाकाम रहे क्योंकि सनातन भारत की चेतना में बसता है और इसे मिटाया नहीं जा सकता।

दरअसल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के तहत वाराणसी में आयोजित 'सोमनाथ संकल्प महोत्सव' को संबोधित करते हुए कहा की विदेशी आक्रांताओं ने सनातन को खत्म करने की कोशिश की लेकिन वह भारत की आत्मा को तोड़ नहीं सके।

उन्होंने कहा, 'मोहम्मद गौरी से लेकर मुगलों तक कई विदेशी आक्रांताओं ने हमारी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को नष्ट करने की कोशिश की।'

पुनरुत्थान का विरोध करती हैं कुछ ताकतें

उन्होंने कहा कि जिन्होंने सनातन को मिटाने की कोशिश की, वे खुद ही धूल में मिल गए और आज उन आक्रमणकारियों को कोई याद नहीं करता, लेकिन काशी विश्वनाथ धाम और सोमनाथ मंदिर भारत के स्वाभिमान की गाथा को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज भी ऐसी ताकतें मौजूद हैं जो भारत के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक प्रतीकों के पुनरुत्थान का विरोध करती हैं। मुख्यमंत्री ने किसी भी राजनीतिक दल या नेता का नाम लिए बगैर कहा कि जिन लोगों ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का विरोध किया था, उन्हीं लोगों ने बाद में अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण में भी बाधाएं खड़ी कीं।

सीएम योगी ने दिया पीएम मोदी को क्रेडिट

इस दौरान ही सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देश को 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के विजन की ओर ले जाने और पूरे भारत में प्रमुख आध्यात्मिक केंद्रों के पुनरुद्धार का नेतृत्व करने का श्रेय दिया और इसके लिए उनके प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा, 'चाहे वह सौराष्ट्र में सोमनाथ मंदिर का भव्य पुनर्निर्माण और सौंदर्यीकरण हो, काशी में काशी विश्वनाथ धाम हो, उज्जैन में महाकाल महालोक हो, या अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो; सनातन परंपरा से जुड़े कई पवित्र केंद्र नए वैभव के साथ विकास की एक नई यात्रा पर आगे बढ़ रहे हैं।' उन्होंने कहा कि ये पहल प्रधानमंत्री से प्रेरित हैं और उत्तर प्रदेश की जनता की ओर से, मैं उन्हें बधाई देता हूं।

चंबा में भीषण सड़क हादसा

पर्यटकों से भरी गाड़ी गहरी खाई में गिरी, 6 लोगों की मौत, 4 घायल

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

चंबा। हिमाचल प्रदेश के जिला चंबा में भीषण सड़क हादसा पेश आया है। यहां सोमवार सुबह भटियात के करीरा में पर्यटकों से भरी एक इनोवा क्रिस्टा गाड़ी अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई है जबकि चार अन्य घायल हुए हैं। मृतकों में चालक के अलावा तीन पुरुष, एक महिला और एक बच्चा शामिल है। घायलों में दो बच्चे एक महिला और एक पुरुष को टांडा भेजा गया है। घायलों को इलाज के लिए टांडा रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि हादसे के समय गाड़ी में चालक समेत कुल 10 लोग सवार थे। इनमें से गाड़ी का चालक जिला मंडी, जबकि अन्य गुजरात के पर्यटक थे।

ये सभी लोग मनाली से डलहौजी घूमने जा रहे थे। इसी दौरान भारी बारिश के बीच उनकी

गाड़ी हादसे का शिकार हो गई। मृतकों की पहचान ललितभाई पतनानी निवासी गुजरात, ममताबेन ललितभाई, काजल पत्नी प्रियंक कन्हैयालाल भोपानी, दियान्श पुत्र प्रियंक कन्हैयालाला भोपानी, प्रियंक कन्हैयालाला भोपानी और जसवंत कुमार निवासी निवासी गांव कोहरा, डाकघर संथल, तहसील जोगिंदरनगर, जिला मंडी, हिमाचल प्रदेश के तौर पर हुई है। वहीं घायलों में मयंक ललितभाई पतनानी, फोरमबेन मयंक पतनानी, जियान्श मयंक ललितभाई (3) पतनानी, प्रियान्शी भोपानी (3) (पुत्री प्रियंक कन्हैयालाल भोपानी) के तौर पर हुई है। पुलिस ने घटना के संबंध में मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

उत्तर प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद राजनीतिक बयानबाजी शुरू

मायावती ने ब्राह्मणों की सुरक्षा को लेकर जताई चिंता, कहा- यूपी में ब्राह्मण समाज उपेक्षित ही नहीं बल्कि काफी असुरक्षित भी

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में रविवार को हुए मंत्रिमंडल विस्तार के बाद राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो गई है। मंत्रिमंडल के गठन और विस्तार का फैसला सामान्यतौर पर सत्ताधारी पार्टी लेती है। लेकिन इसके सामाजिक और प्रशासनिक प्रभावों को लेकर विपक्षी दलों की प्रतिक्रियाएं भी सामने आ रही हैं। कैबिनेट विस्तार के बाद सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाते बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा है कि इसका प्रभाव आम जनता खासकर-गरीबों, मजदूरों, किसानों, युवाओं और महिलाओं की सुरक्षा एवं सम्मान पर स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए।

बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर यूपी कैबिनेट विस्तार से जुड़ी एक पोस्ट किया है। अपने बयान में उन्होंने प्रदेश में कानून-व्यवस्था और समाज के विभिन्न वर्गों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठाए हैं। साथ ही यह भी कहा गया है कि पहले की बसपा सरकारों के दौरान 'सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय' की नीति के तहत सभी वर्गों को समान सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित किया गया।

'कैबिनेट विस्तार का असर दिखना चाहिए'

मायावती ने अपने बयान में कहा, 'वैसे तो मंत्रिमण्डल का घटाना-बढ़ाना व विस्तार आदि सत्ताधारी पार्टी का आन्तरिक राजनीतिक चिन्तन का मामला ज्यादा होता है और इसीलिये उत्तर प्रदेश मंत्रिमण्डल के कल हुये विस्तार के बारे में कुछ भी टीका-टिप्पणी करना उचित नहीं होगा, किन्तु कुल मिलाकर इसका अच्छा प्रभाव आमजन के हित के साथ-साथ खासकर सर्वसमाज के गरीबों, मजदूरों, किसानों, युवाओं के जीवन की बेहतरी एवं महिला सुरक्षा-सम्मान आदि पर पड़ता हुआ दिखना भी जरूर चाहिये।' बसपा प्रमुख ने आगे लिखा, 'इतना ही नहीं बल्कि समाज के हर वर्गों में भी विशेषकर कमजोर तबकों के जान, माल व मजहब की सुरक्षा व उन्हें न्याय मिलता हुआ महसूस होने पर सरकार व उनके सभी मंत्रियों के कार्यकलापों में परिलक्षित भी हो तो यह उचित होगा।

ब्राह्मण समाज की सुरक्षा को लेकर चिंता

कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए मायावती ने कहा, 'इसी क्रम में अभी हाल ही में राजधानी लखनऊ में ब्राह्मण समाज से ताल्लुक रखने वाले भाजपा के एक युवा नेता पर जानलेवा हमला होने से हर तरफ एकबार फिर से कानून-व्यवस्था के साथ-साथ इस बात पर भी चर्चा शुरू हो गयी है कि यूपी में ब्राह्मण समाज यहाँ केवल उपेक्षित ही नहीं बल्कि काफी असुरक्षित भी है जो अति-चिन्तनीय, जबकि बी.एस.पी. की रही सभी सरकारों में समाज के हर वर्ग के जान, माल व मजहब के साथ-साथ बेहतरीन कानून-व्यवस्था के तहत ब्राहमण समाज सहित समाज के सभी वर्गों को 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' की नीति व सिद्धान्त के अन्तर्गत न्याय और सुरक्षा दी गयी थी जो कि सर्वविदित है।'

वेस्ट एशिया संकट पर राजनाथ की बैठक, सरकार का संदेश- फ्यूल सप्लाई है, पैनिक की जरूरत नहीं

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मितव्ययिता उपायों की अपील के एक दिन बाद, पश्चिम एशिया संकट पर चर्चा करने के लिए मंत्रियों के अनौपचारिक समूह (आईजीओएम) की पांचवीं बैठक सोमवार को हुई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में हुई इस बैठक में सरकार ने इस संदेश को दोहराया कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है, लेकिन होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी के कारण ईंधन आपूर्ति में आई भारी कमी को देखते हुए संसाधनों का संरक्षण करना जरूरी है। बैठक के तुरंत बाद सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि मैं लोगों से शांत रहने और किसी भी तरह की घबराहट से बचने का आग्रह करता हूं, क्योंकि सरकार आपूर्ति श्रृंखलाओं में कमी या व्यवधान को रोकने के लिए ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने आगे कहा कि वैश्विक व्यवधानों और चुनौतियों का सामना करने में देश की मदद के लिए प्रधानमंत्री

मोदी की लोगों की सामूहिक भागीदारी की अपील आत्मनिर्भरता और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। यह कठिन वैश्विक दौर में संरक्षण के बारे में प्रधानमंत्री का व्यापक संदेश है। इस बैठक में तेल एवं पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, जहाजरानी मंत्री सरबानंदा सोनोवाल, नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू, प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, संसदीय एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू और स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

बंगाल में घुसपैठियों पर गिरेगी गाज! सुवेंदु अधिकारी का बीएसएफ को ग्रीन सिग्नल, 45 दिन में लगेगी बाड़

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को घोषणा की कि भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को भूमि सौंपने की प्रक्रिया आज से शुरू होगी और 45 दिनों के भीतर पूरी हो जाएगी। यह निर्णय भाजपा के उस प्रमुख चुनावी वादे को पूरा करता है जो बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ से निपटने पर केंद्रित था। विधानसभा चुनावों में भाजपा की शानदार जीत के कुछ दिनों बाद, नबन्ना (राज्य सचिवालय) में पहली कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करते हुए, अधिकारी ने कहा कि भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए आवश्यक भूमि पर बीएसएफ का पूर्ण नियंत्रण होगा। अधिकारी ने बताया कि आज हुई हमारी पहली कैबिनेट बैठक में हमने बीएसएफ को जमीन हस्तांतरित करने का फैसला लिया है। यह प्रक्रिया आज से शुरू हो रही है और अगले 45 दिनों के भीतर पूरी हो जाएगी। एक बार यह प्रक्रिया पूरी हो जाने पर, बीएसएफ सीमा पर बाड़

लगाने का काम पूरा कर लेगी और अवैध घुसपैठ की समस्या का समाधान अल्पकाल में हो जाएगा। मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालने के बाद सीएम अधिकारी की पश्चिम बंगाल के डीजीपी समेत तमाम पुलिस अधिकारियों के साथ यह पहली आमने-सामने वाली मीटिंग होगी। जिसमें पुलिस अधिकारियों को पुराने तरीके छोड़ते हुए लोगों को सुरक्षत माहौल देते हुए नई पुलिसिंग में आना होगा।

सूत्रों का कहना है कि जल्द ही पश्चिम बंगाल की पुलिस में बड़े स्तर पर फेरबदल होगा। जिसमें टॉप से बॉटम लेवल तक ऐसे पुलिस अधिकारियों की लिस्ट भी तैयार की जा रही है। जिन्हें अहम जिम्मेदारियां दी जाएंगी। ऐसे पुलिस अफसरों को मेन ड्यूटी में तैनात नहीं किया जाएगा, जिनका रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा। सूत्रों का कहना है कि एक तरह से यह मीटिंग ममता बनर्जी शासनकाल से पुलिस अधिकारियों को बीजेपी शासनकाल में ट्रांसफर करने के लिए भी होगी।

अभी तैनात रहेगी पैरामिलिट्री फोर्स

पश्चिम बंगाल में भले ही बीजेपी की सरकार बन गई हो, लेकिन राज्य में अभी भी खतरा बरकरार है। इसे देखते हुए अभी कुछ समय तक राज्य में सीआरपीएफ और बीएसएफ समेत सीएपीएफ की कम से कम 500 कंपनिया तैनात रखी जाएंगी। जरूरत के मुताबिक, फोर्स की संख्या बढ़ाई भी जा सकती है। लेकिन जानकारों का कहना है कि अब नई सरकार बनने के बाद ऐसा मुश्किल ही लग रहा है है। कि सीएपीएफ जवानों की संख्या यहां और बढ़ाने की जरूरत पड़े।

यूपी के संभल में बड़ा खुलासा: हिंदू बच्चों को पहनाई टोपी, सिखाया 'सजदा', 3 टीचर सस्पेंड

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में स्थित पीएम श्री स्कूल के तीन शिक्षकों को परिसर में धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के आरोपों के चलते निलंबित कर दिया गया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) अलका शर्मा ने जलाब सराय गांव में हुई आधिकारिक जांच के बाद प्रधानाचार्य मोहम्मद अंजर अहमद, कार्यवाहक प्रधानाध्यापक वलेश कुमार और सहायक शिक्षक मोहम्मद गुल एजाज को निलंबित कर दिया है।

अधिकारियों के अनुसार, मुस्लिम शिक्षकों पर स्कूल के अंदर धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और हिंदू छात्रों को टोपी पहनने के लिए कहने तथा लड़कियों को हिजाब पहनने के लिए प्रोत्साहित करने का आरोप है। प्रधानाध्यापक मोहम्मद अंजर अहमद और सहायक शिक्षक मोहम्मद गुल एजाज के खिलाफ भी पीएम श्री स्कूल में धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देने, कलह पैदा करने और भेदभावपूर्ण व्यवहार में लिप्त होने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है।

यह विवाद 7 मई को सोशल

मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने के बाद शुरू हुआ। इसके बाद, संभल ब्लॉक के शिक्षा अधिकारी अंशुल कुमार ने मामले की जांच के लिए 8 मई को स्कूल का दौरा किया। छात्रों के बयान दर्ज किए गए और बाद में बीएसए को एक रिपोर्ट सौंपी गई, जिसके आधार पर रविवार को निलंबन की कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने बताया कि कार्यवाहक प्रधानाध्यापक वालेश कुमार को वरिष्ठ अधिकारियों को गतिविधियों के बारे में सूचित करने में विफल रहने और अपनी जिम्मेदारियों का ठीक से निर्वहन न करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है।

निरीक्षण के दौरान, प्रधानाचार्य मोहम्मद अनजार अहमद और सहायक शिक्षक मोहम्मद गुल एजाज दोनों विद्यालय परिसर में अनुपस्थित पाए गए। अधिकारियों को बाद में पता चला कि प्रधानाचार्य चिकित्सा अवकाश पर थे और वलेश कुमार को कार्यवाहक प्रधानाध्यापक का कार्यभार सौंपा गया था। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि वायरल वीडियो के संबंध में छात्रों से पूछताछ करने पर, कई बच्चों ने आरोप लगाया कि विद्यालय में धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। छात्रों ने कथित तौर पर दावा किया कि हिंदू लड़कों को टोपी पहनने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा था, लड़कियों को हिजाब पहनने के लिए कहा जा रहा था, और कुछ छात्रों को सजदा (इस्लामी दंडवत प्रणाम) करना भी सिखाया जा रहा था।

चुनाव खत्म होते ही सरकार को याद आया 'संकट': अखिलेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोलते हुए सोमवार को कहा कि चुनाव खत्म होते ही सरकार को 'संकट' याद आ गया। उन्होंने कहा कि देश के लिए सबसे बड़ा संकट भाजपा ही है और केंद्र सरकार की हालिया अपीलें उसकी आर्थिक व नीतिगत विफलताओं को उजागर करती हैं। सपा प्रमुख ने कहा कि यदि इतनी पाबंदियां लगानी पड़ रही हैं तो पांच ट्रिलियन डॉलर की जुमलाई अर्थव्यवस्था कैसे बनेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के हाथ से आर्थिक व्यवस्था की लगाम छूट चुकी है। डॉलर लगातार मजबूत हो रहा है और रुपया कमजोर होता जा रहा है। अखिलेश यादव ने सोने की खरीद को लेकर सरकार की अपील पर भी कटाक्ष किया।

6 महीने की रेकी, फायरिंग कर लूटी कैश वैन... पुलिस ने 5 दिन में दबोचे लुटेरे

दो इनामी बदमाश गिरफ्तार, 8 लाख रुपये नकद व हथियार बरामद

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र में छह मई को हुई एटीएम कैश वैन लूट की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटे गए आठ लाख छह हजार रुपये नकद, घटना में प्रयुक्त बलेनो कार, अवैध तमंचा, जिंदा कारतूस और कुल्हाड़ी बरामद की है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार इस लूट की साजिश बेहद सुनियोजित तरीके से रची गई थी और बदमाश पिछले छह महीने से कैश वैन की रेकी कर रहे थे। सोमवार को लूट की घटना का खुलासा करते हुए पुलिस उपायुक्त नगर/अपराध/मुख्यालय धवल जायसवाल ने बताया कि छह मई को इण्डिया वन एटीएम में कैश भरने जा रही कैश वैन को एनएच-9 स्थित एच.पी. पेट्रोल पंप के सामने बदमाशों ने निशाना बनाया था। बदमाशों ने फायरिंग कर चालक को डराया और कैश वैन लूटकर फरार हो गए थे। इस संबंध में क्रॉसिंग रिपब्लिक थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। प्रारंभिक जांच में कैश वैन में लगभग 27 लाख रुपये होने की जानकारी सामने आई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त के निर्देश पर आठ विशेष टीमों का गठन किया गया। स्वाट टीम, अपराध शाखा और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त रूप से सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। जांच के दौरान सिल्वर रंग की बलेनो कार संदिग्ध पाई गई, जिसके आधार पर आरोपियों की पहचान सुनिश्चित की गई। दोनों आरोपियों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। धवल जायसवाल ने बताया कि 11 मई को मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने चिपयाना अंडरपास के पास घेराबंदी कर 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश मौहम्मद कैफ को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 3 लाख 36 हजार रुपये नकद, घटना में प्रयुक्त बलेनो कार, तमंचा, कारतूस और कुल्हाड़ी बरामद हुई। पूछताछ में कैफ ने अपने साथी मौहम्मद रिजवान की भूमिका उजागर की, जिसके बाद पुलिस ने विजयनगर स्थित उसके घर से रिजवान को गिरफ्तार कर लिया। रिजवान के पास से 4 लाख 70 हजार रुपये बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि इस डकैती में कुल छह बदमाश शामिल थे। गिरोह का मास्टरमाइंड जुबैर बताया जा रहा है, जो घटना में प्रयुक्त कार का मालिक है और फिलहाल फरार है। आरोपियों ने बताया कि वे पिछले छह महीने से कैश वैन की गतिविधियों पर नजर रख रहे थे और घटना से पहले तीन बार ट्रायल भी किया गया था, लेकिन सफलता नहीं मिली। वारदात वाले दिन बदमाश बिना नंबर प्लेट लगी बलेनो कार से करीब दो घंटे पहले ही मौके पर पहुंच गए थे। जैसे ही कैशियर और गनमैन एटीएम में कैश डालने अंदर गए, बदमाशों ने कैश वैन में अकेले मौजूद चालक को निशाना बनाया। अवैध हथियार से फायरिंग कर चालक को नीचे उतारा गया और कैश वैन लेकर दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे की ओर फरार हो गए। धवल जायसवाल के अनुसार बदमाशों ने रास्ते में वैन के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे कुल्हाड़ी से तोड़ दिए और लॉकर तोड़कर नकदी निकाल ली। बाद में कैश वैन को एक्सप्रेसवे पर छोड़कर सभी आरोपी बलेनो कार से मेरठ की ओर भाग गए। लूट की रकम का बंटवारा डासना-मसूरी क्षेत्र के एक मकान में किया गया था। गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि कैफ को चार लाख और रिजवान को पांच लाख रुपये हिस्से में मिले थे, जबकि बाकी रकम अन्य साथियों में बांटी गई। डीसीपी धवल जायसवाल ने कहा कि पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है और जल्द ही पूरे गैंग को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों का आपराधिक इतिहास भी खंगाला जा रहा है। पुलिस की इस सफलता पर अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय/अपराध द्वारा टीम के उत्साहवर्धन हेतु 50 हजार रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की गई है। धवल जायसवाल ने कहा कि संगठित अपराध पर सख्ती से कार्रवाई जारी रहेगी और आम जनता की सुरक्षा के लिए पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस कार्रवाई से न केवल बड़ी लूट का खुलासा हुआ है बल्कि पुलिस की तकनीकी जांच, टीमवर्क और त्वरित रणनीति की भी प्रभावी झलक देखने को मिली है।

नगर आयुक्त सड़कों पर उतरे.. मोहन नगर और सिटी जोन क्षेत्र में चल रहे सड़क निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। शहर में चल रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता और गति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक लगातार औचक निरीक्षण कर रहे हैं। इसी क्रम में सोमवार को नगर आयुक्त ने मोहन नगर जोन और सिटी जोन क्षेत्र में चल रहे सड़क निर्माण, फुटपाथ निर्माण तथा मरम्मत कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। नगर आयुक्त के अचानक निरीक्षण से निगम अधिकारियों में सक्रियता बढ़ी है और विभिन्न विभागों की कार्यशैली में तेजी स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगी है। नगर आयुक्त ने मोहन नगर जोन के प्रमुख मार्गों का विस्तृत निरीक्षण किया। हिंडन एयर फोर्स से मोहन नगर चौराहा, हिंडन एयर फोर्स से भोपुरा मार्ग तथा हिंडन एयर फोर्स से एलिवेटेड रोड तक चल रहे निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्यों की समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों की टीम भी मौके पर पहुंची और निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी दी गई। मुख्य मार्गों के साथ बने फुटपाथ, साइड पटरी, ग्रिल और सड़क किनारे की संरचनाओं का बारीकी से निरीक्षण किया गया। नगर आयुक्त ने नागद्वार से एलिवेटेड मार्ग तक किए गए कार्यों को देखकर संतुष्टि व्यक्त की, वहीं सीएम ग्रिड योजना के अंतर्गत मोहन नगर चौराहे से हिंडन एयर फोर्स तक चल रहे कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों की गति तत्काल बढ़ाई जाए और निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी कार्य पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में देरी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी और जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने विशेष रूप से मरम्मत कार्यों पर ध्यान देने के निर्देश दिए। टूटी हुई ग्रिल, क्षतिग्रस्त फुटपाथ, डिवाइडर और चौराहों की स्थिति को सुधारने के लिए संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने को कहा गया। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी खामियां भी शहर की सुंदरता और यातायात व्यवस्था को प्रभावित करती हैं, इसलिए मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। नगर आयुक्त ने निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि केवल नए निर्माण कार्यों पर ही नहीं बल्कि पहले से बने ढांचों के रखरखाव पर भी बराबर ध्यान दिया जाए। सड़कों के किनारे बनी साइड पटरी, पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथ और सुरक्षा ग्रिल की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थान पर टूट-फूट या अव्यवस्था मिलने पर तुरंत मरम्मत कार्य शुरू होना चाहिए। औचक निरीक्षण का असर नगर निगम की कार्यप्रणाली में साफ नजर आ रहा है।

अवर अभियंताओं से लेकर विभागीय अधिकारियों तक सभी निर्माण स्थलों पर सक्रियता बढ़ी है और कार्यों की निगरानी अधिक प्रभावी हो गई है। नगर आयुक्त के लगातार निरीक्षण से विभागों में जवाबदेही तय हो रही है और अधिकारी फील्ड में जाकर कार्यों की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण कर रहे हैं। नगर निगम के विभिन्न विभाग वर्तमान में अलर्ट मोड पर कार्य कर रहे हैं और प्रतिदिन शहर हित से जुड़े कार्यों की समीक्षा की जा रही है। नगर आयुक्त ने कहा कि विकास कार्य केवल कागजों पर नहीं बल्कि धरातल पर दिखाई देने चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए और जनता को सुरक्षित, स्वच्छ एवं व्यवस्थित सड़कें उपलब्ध कराई जाएं।

श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का भक्तिमय समापन

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। संजयनगर सेक्टर-23 स्थित एच ब्लॉक झूलेवाला पार्क में आयोजित संगीतमयी श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का विधिवत एवं भक्तिमय समापन 11 मई, सोमवार को हवन-पूजन एवं श्रीमद् भागवत महापुराण पूजन के साथ सम्पन्न हुआ।

इस भव्य धार्मिक आयोजन का शुभारंभ 3 मई को भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ था, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं एवं श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। इसके उपरांत 4 मई से श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का शुभारंभ हुआ, जो प्रतिदिन श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक वातावरण के मध्य सम्पन्न होती रही। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की विविध लीलाओं, भक्त चरित्रों एवं सनातन संस्कृति के महत्व का भावपूर्ण वर्णन किया गया।

समापन अवसर पर कथा व्यास आचार्य श्री संजीव शर्मा जी के सान्निध्य में श्रद्धालुओं ने वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य हवन में आहूतियां अर्पित कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। इसके साथ ही श्रीमद् भागवत महापुराण पूजन कर कथा का विधिवत समापन सम्पन्न हुआ। भजन-कीर्तन एवं भगवान के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। नामित पार्षद प्रदीप चौधरी ने कहा कि भागवत कथा के निर्देशक कुलदीप श्याम के निर्देशन में कथा वाचक आचार्य श्री संजीव शर्मा जी द्वारा किया गया संगीतमयी एवं मर्मस्पर्शी कथावाचन सभी श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा एवं प्रेरणा का स्रोत रहा। उन्होंने कहा कि कथा ने समाज को धर्म, संस्कार एवं सनातन संस्कृति से जोड़ने का कार्य किया है। प्रदीप चौधरी ने समस्त क्षेत्रवासियों एवं श्रद्धालुओं का आयोजन को सफल बनाने हेतु हृदय से आभार व्यक्त किया। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष पवन सहलोत ने कहा कि कथा आयोजन ने पूरे क्षेत्र में धार्मिक एवं सकारात्मक वातावरण का निर्माण किया तथा सभी श्रद्धालुओं को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया। वरिष्ठ नागरिक संस्था के महामंत्री हरपाल सिंह जादौन ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा मनुष्य जीवन को सद्मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है तथा ऐसे आयोजन समाज में नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करते हैं। एडवोकेट सुनील चौधरी ने कहा कि कथा के माध्यम से युवाओं एवं बच्चों को भारतीय संस्कृति एवं आध्यात्मिक परंपराओं का ज्ञान प्राप्त हुआ, जो समाज के लिए अत्यंत आवश्यक है। श्याम प्रेमी विष्णु शर्मा एवं श्यामभक्त तरुण शर्मा ने संयुक्त रूप से कहा कि कथा के दौरान हुए भजन-कीर्तन एवं भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं ने श्रद्धालुओं को भक्ति भाव से भावविभोर कर दिया। समाजसेविका रेखा सिंघल ने कहा कि महिलाओं एवं परिवारों की बड़ी सहभागिता ने इस आयोजन को और अधिक सफल एवं प्रेरणादायी बनाया। समाजसेवी विजय अरोड़ा, जवाहर सिंह डागर, डी.के. विमल, किशन शर्मा, शिक्षाविद मीना शर्मा एवं समाजसेवी नरेंद्र गौड़ ने संयुक्त रूप से कथा आयोजन समिति, कथा व्यास एवं सभी श्रद्धालुओं को सफल आयोजन हेतु बधाई देते हुए सभी सहयोगकताओं का आभार व्यक्त किया।

साहित्य की मशाल के साथ एक नई शुरूआत: 'धर्म फॉर लाइफ हिन्दी साहित्य' का शुभारंभ

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। गुरूग्राम में ट्यूलिप फाउंडेशन की इकाई 'धर्म फॉर लाइफ' द्वारा 'धर्म फॉर लाइफ हिन्दी साहित्य' के शुभारंभ के अवसर पर कल एक गरिमामय साहित्यिक परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय था – 'साहित्य : धर्म का मर्म, चेतना और परिवर्तन'। इस आयोजन में साहित्य, संस्कृति और सामाजिक चेतना के विभिन्न आयामों पर सार्थक संवाद हुआ। कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकारों, चिंतकों एवं साहित्य प्रेमियों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। वक्ताओं ने साहित्य को केवल मनोरंजन का माध्यम न मानते हुए उसे समाज में संवेदना, नैतिकता और सकारात्मक परिवर्तन का आधार बताया। वरिष्ठ साहित्यकार लक्ष्मी शंकर वाजपेयी ने अपने वक्तव्य में कहा कि धर्म का वास्तविक स्वरूप मानवीयता, करुणा और नैतिक चेतना में निहित है तथा साहित्य इन्हीं मूल्यों को जीवित रखने का माध्यम है। विख्यात लेखक नरेंद्र नागदेव ने साहित्य को समाज का दस्तावेज बताते हुए कहा कि यह समय की पीड़ा, संघर्ष और आशाओं को स्वर देता है। वरिष्ठ लेखिका वंदना यादव ने स्त्री चेतना और साहित्य के संबंधों पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि साहित्य समाज के उन पक्षों को सामने लाता है जिन्हें अक्सर मुख्यधारा में पर्याप्त स्थान नहीं मिलता। वहीं पॉडकास्टर एवं लेखिका पारुल सिंह ने भारतीय साहित्य को सांस्कृतिक निरंतरता और लोकमंगल की परंपरा से जुड़ा हुआ बताया।पूरे संवाद का संचालन डॉ. मेधावी जैन (संस्थापिका, धर्म फॉर लाइफ) ने प्रभावशाली एवं संतुलित ढंग से किया। उन्होंने विषय की गंभीरता को बनाए रखते हुए संवाद को सार्थक दिशा प्रदान की। कार्यक्रम की संकल्पना एवं आयोजन में साहित्यकार किरण यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने बताया कि 'धर्म फॉर लाइफ हिन्दी साहित्य' का उद्देश्य साहित्य, संस्कृति और मानवीय मूल्यों को समाज के केंद्र में स्थापित करना है। समापन अवसर पर रीता जैन (अध्यक्षा, अभिव्यक्ति) ने इस पहल को साहित्य और समाज के मध्य संवाद स्थापित करने वाला महत्वपूर्ण प्रयास बताया। कार्यक्रम का मंच संचालन विशाल पाण्डेय द्वारा प्रभावशाली ढंग से किया गया। इस अवसर पर देवेन्द्र बहल (संस्थापक, सभ्या प्रकाशन) तथा अशोक गुप्ता (संस्थापक अद्विक पब्लिकेशन) की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही। आयोजन के दौरान बार-बार यह विचार उभरकर सामने आया कि साहित्य केवल शब्दों का संसार नहीं, बल्कि समाज में संवेदना, संवाद और सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम है। 'धर्म फॉर लाइफ हिन्दी साहित्य' की यह पहल भविष्य में साहित्यिक एवं वैचारिक चेतना को नई दिशा देने की महत्वपूर्ण शुरूआत मानी जा रही है।

ई-कॉमर्स कंपनी के दफ्तर में लाखों की चोरी, ताला तोड़कर कंप्यूटर व नगदी ले गए चोर

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। नेहरू नगर क्षेत्र में संचालित एक ई-कॉमर्स कंपनी के कार्यालय में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। अज्ञात चोर देर रात कार्यालय का ताला तोड़कर अंदर घुस गए और वहां से कंप्यूटर सिस्टम, कैमरे, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों समेत नगदी चोरी कर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मुरादनगर के गोपालपुरम निवासी रोहित चौधरी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी ई-कॉमर्स कंपनी से संबंधित कार्यालय नेहरू नगर स्थित राकेश मार्ग पर नेहा डेयरी के पास संचालित है। इसके अलावा कंपनी का एक अन्य कार्यालय अशोक नगर क्षेत्र में भी है। पीड़ित के अनुसार छह मई की देर रात करीब तीन से चार बजे के बीच अज्ञात चोर अशोक नगर स्थित कार्यालय को निशाना बनाकर अंदर घुस आए। चोरों ने कार्यालय में रखे कंप्यूटर सिस्टम, इन्वर्टर बैटरी, सीसीटीवी कैमरे, डीवीआर मशीन, कंपनी के पार्सल तथा लगभग 13 हजार रुपये की नगदी चोरी कर ली। सुबह जब कर्मचारी कार्यालय पहुंचे तो अंदर का सामान बिखरा हुआ मिला और ताले टूटे होने पर चोरी की वारदात का पता चला।

पानी मांगने के बहाने महिला से जेवर व नकदी ले उड़ा

साहिबाबाद। लिंक रोड थाना क्षेत्र के कड़कड़ मॉडल इलाके में ठगी की एक हैरान करने वाली वारदात सामने आई है। पानी मांगने के बहाने घर में घुसे एक युवक ने महिला को कथित तौर पर वशीकरण के जाल में फंसाकर उनके शरीर पर पहने जेवर और घर में रखी नकदी लेकर फरार हो गया। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश में जुट गई है। औद्योगिक क्षेत्र कड़कड़ मॉडल निवासी रीता यादव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि सात मई की दोपहर करीब 12 बजे वह घर पर अकेली थीं। तभी एक युवक ने दरवाजा खटखटाया और खुद को उनके पति का परिचित बताते हुए कहा कि उसे उनके पति ने भेजा है। युवक की बातों पर भरोसा कर उन्होंने दरवाजा खोल दिया। इसके बाद युवक ने पानी मांगा, जिस पर वह पानी लेने अंदर चली गईं। पीड़िता का आरोप है कि इसी दौरान युवक ने उन्हें अपने प्रभाव में ले लिया। युवक के कहने पर उन्होंने कान, गले और पैर में पहने जेवर खुद ही उतारकर उसे दे दिए। इतना ही नहीं, घर में रखा पर्स भी आरोपी को सौंप दिया, जिसमें छह हजार रुपये नकद और डेबिट कार्ड रखा था।

नगर आयुक्त ने सभी विभागीय अधिकारियों एवं संबंधित टीमों के साथ की समीक्षा बैठक

शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण समाधान के साथ संतुष्टि फीडबैक लेना होगा अनिवार्य

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। जन समस्याओं के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को लेकर गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय में सोमवार को नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने सभी विभागीय अधिकारियों एवं संबंधित टीमों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में शहर में प्राप्त होने वाली शिकायतों की स्थिति, उनके समाधान की गुणवत्ता तथा विभागों के आपसी समन्वय को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि जन समस्याओं का समाधान नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है और शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में जलकल, निर्माण, स्वास्थ्य, उद्यान, संपत्ति, प्रकाश एवं टैक्स विभाग सहित अन्य शाखाओं के कार्यों की समीक्षा की गई। 311 एप्लीकेशन, आईजीआरएस पोर्टल, कॉल सेंटर, सोशल मीडिया तथा सीयूजी नंबर पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की प्रगति पर विशेष रूप से अधिकारियों से जवाब तलब किया गया। नगर आयुक्त ने जलकल, निर्माण एवं स्वास्थ्य विभाग को मॉनिटरिंग व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतों का केवल औपचारिक निस्तारण नहीं बल्कि गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने और शहर की स्वच्छता एवं सुंदरता को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। मुख्य मार्गों को धूल मुक्त बनाए रखने, सड़कों के किनारे प्रतिदिन जमा होने वाली धूल हटाने तथा सफाई व्यवस्था को नियमित रूप से मॉनिटर करने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में पार्कों की साफ-सफाई, फुटपाथों की मरम्मत तथा वार्ड स्तर पर विकास कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश भी दिए गए। नगर आयुक्त ने कहा कि शिकायतों के समाधान के दौरान स्थलीय निरीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाए और शिकायतकर्ता से संतुष्टि फीडबैक लेना भी सुनिश्चित किया जाए, ताकि वास्तविक स्थिति का मूल्यांकन किया जा सके। जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों के फोन कॉल अनिवार्य रूप से अटेंड करने के निर्देश देते हुए नगर आयुक्त ने कहा कि यदि किसी कारणवश कॉल रिसीव न हो सके तो कॉल बैक करना अनिवार्य होगा। कॉल न उठाने संबंधी शिकायत मिलने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी गई। विशेष रूप से सभी विभागों के अवर अभियंताओं को जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के सख्त निर्देश दिए गए। बैठक में अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव, अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार सहित सभी विभागों के अधिकारी एवं समस्त जोनल प्रभारी उपस्थित रहे। नगर आयुक्त ने अंत में कहा कि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना ही नगर निगम का लक्ष्य है और इसके लिए जवाबदेह एवं संवेदनशील कार्यशैली अपनाना आवश्यक है।

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री नितिश यादव एवं श्रीमती सुनीता (जिन्हें आगे 'उक्त बंधककर्ता' कहा गया है) ने नीचे अनुसूची में वर्णित संपत्ति के संबंध में मेरे मुवक्किल PNB Housing Finance Ltd., सेक्टर-3, नोएडा के पक्ष में बंधक (Mortgage) सृजित करने हेतु सहमति प्रदान की है। स्वामिनी/ऋणकर्ता श्रीमती सुनीता पत्नी स्वर्गीय श्री इंदर पाल यादव (पुत्री स्वर्गीय श्री इंछा राम) से संबंधित मूल लीज डीड के पृष्ठ संख्या 11, 12 एवं 13, जो कि न्यू ओखला इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी द्वारा श्री इंछा राम के पक्ष में निष्पादित की गई थी तथा दिनांक 13.01.2012 को उप-पंजीयक-I, नोएडा के कार्यालय में पुस्तक संख्या-I, जिल्द संख्या 2960, पृष्ठ संख्या 1/20 एवं दस्तावेज संख्या 316 के रूप में पंजीकृत हुई थी, गुम/खो गए हैं। उक्त लीज डीड, नोएडा जनपद गौतम बुद्ध नगर (उ.प्र.) के सेक्टर-116 स्थित ब्लॉक-H में स्थित 249.75 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाले लीजहोल्ड आवासीय भूखंड संख्या-45 से संबंधित है। यदि किसी व्यक्ति का उक्त संपत्ति या उसके किसी भाग पर किसी प्रकार का कोई दावा हो, जैसे विक्रय, विनिमय, बंधक (समतुल्य या टाइटल डीड जमा द्वारा या अन्यथा), उपहार, ट्रस्ट, उत्तराधिकार, पारिवारिक व्यवस्था, भरण-पोषण, वसीयत, साझेदारी, कब्जा, पट्टा, उप-पट्टा, किरायेदारी, लाइसेंस, लियन, चार्ज, गिरवी, रास्ता अधिकार (ईजमेंट) या अन्य किसी भी प्रकार से, तो वह व्यक्ति इस सूचना की तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर आवश्यक दस्तावेजों सहित लिखित रूप में सूचित करे। अन्यथा, ऐसे किसी भी व्यक्ति का दावा त्यागा हुआ/समाप्त माना जाएगा और मेरा मुवक्किल उक्त संपत्ति पर ऋण वितरण एवं बंधक निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ाएगा।

अनुसूची (संपत्ति का विवरण): लीजहोल्ड आवासीय भूखंड संख्या-45, क्षेत्रफल - 249.75 वर्ग मीटर स्थित सेक्टर-116 में ब्लॉक-H, नोएडा जनपद गौतम बुद्ध नगर (उ.प्र.)।

दिवेश सिंघल (पीएनबीएचएफएल पैनल अधिवक्ता)
कार्यालय: एस.सी.-319 ग्राउंड फ्लोर पर निकट डबल वॉटर टैंक, ब्लॉक-सी, शास्त्री नगर, गाजियाबाद (यूपी) - 201002 चेंबर नंबर 76-ए, तहसील कंपाउंड, गाजियाबाद। **(मो.): 9811834005**

कोनरवा की वार्षिक सामान्य बैठक हुई सम्पन्न, लिए गए कई अहम फैसले

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। कोनरवा नोएडा चैप्टर ने सेक्टर 27 में वार्षिक सामान्य बैठक आयोजित की जिसमें कोनरवा नोएडा चैप्टर के पदाधिकारी, सदस्य एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। बैठक में एनसीएफ की कार्यकारी अध्यक्ष शालिनी सिंह उपस्थित रही। बैठक के दौरान उनका स्वागत किया गया। इसके उपरांत महासचिव राजीव गर्ग ने वर्ष 2025 26 में किये गए कार्यों एवं उपलब्धियां के बारे में विस्तृत जानकारी दी एवं भविष्य में होने वाले कार्यों एवं किए जा रहे प्रयासों को और अधिक पुरजोर तरीके से रखने की बात कही। कोनरवा के अध्यक्ष पी एस जैन ने संस्था द्वारा एनसीआर में किये जा रहे कार्यों एवं प्रयासों के बारे में जानकारी दी। बैठक में किये गये कार्यो की जानकारी सभी को दि गई तथा भविष्य में किये जाने वाले कार्यो के समबंध में सभी से सुझाव लिये गये। साथ ही निर्णय लिया गया कि सभी कार्यो में प्राधिकरण व प्रशासन के साथ विस्तरित चर्चा कि जाऐगी, तथा अन्य संस्थाओ के साथ भी सहयोग करते हुऐ प्राधिकरण व प्रशासन पर शिघ्र कार्य करने के लिए दबाव बनाया जाऐगा। विशेषकर पीने योग्य पानी, सैक्टर टू सैक्टर लोक ट्रान्सपोर्ट सिस्टम विकसित करने तथा प्राधिकरण के ठेकेदारो द्वारा किये जा रहे कार्यो में गुणवत्ता बढ़ाने हेतू अधिकारियो को नियमित निरक्षण करने पर जोर दिया गया। सड़को के निर्माण व मरमत के बाद एक समान समतल न होना तथा जल व बिजली विभाग द्वारा किये गये कार्यो की एवं सड़को में डाले गाये बिजली के केबलो की सघन जॉच कराने का निर्णय लिया गया। जहॉ भी बिजली के केबल डाले गये है वहॉ पर पहाड़ बना दिये गये है जिससे चलना भी मुशकिल है। शहर में अधिकांश सीवर लाईन के डक्कन ऊचे नीचे है जिससे यातायात में दिक्कत होती है। शालिनी सिंह ने समस्याओ के समाधान कराने के लिए हर संभव मदद करने का आश्वासन भी दिया। को कन्वीनर लोकेश कश्यप ने नये सदस्यों को जोड़ने और संस्था को मजबूत करने की बात कही। इस अवसर पर बीजेपी प्रदेश परिषद सदस्य मूलचंद अवाना, मदन लाल शर्मा, डॉ एस पी जैन, कन्हैया लाल अवाना, किरन भारद्वाज, सुष्मिता चक्रवर्ती, इंद्राणी मुखर्जी, पन्नालाल शर्मा, एसके वर्मा, जुगल किशोर गुप्ता, गरिमा त्रिपाठी, चंदा, बी पी सिंह आदि कई लोग उपस्थित रहे।

ऋषि चैरिटेबल ट्रस्ट ने मातृशक्ति को किया नमन, माताओं का हुआ भव्य सम्मान

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। सेक्टर-5 हरौला स्थित जे.जे. कॉलोनी में ऋषि चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा मदर्स डे के उपलक्ष्य में एक हृदयस्पर्शी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट की संस्थापक भारती नेगी के नेतृत्व में समाज की मातृशक्ति को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत बच्चों और उनकी माताओं के बीच प्रेमपूर्ण संवाद से हुई। संस्था की संस्थापक भारती नेगी ने भारतीय परंपरा का निर्वहन करते हुए कार्यक्रम में आईं सभी महिलाओं और माताओं के गले में दुपट्टा पहनाकर उन्हें सम्मानित किया। भारती नेगी ने बताया कि यह दुपट्टा महिलाओं के सम्मान, गौरव और उनकी अपार शक्ति का प्रतीक है। उत्सव के दौरान बच्चों ने अपनी माताओं के साथ मिलकर केक काटा और खुशियाँ बांटीं। सभी उपस्थित लोगों के लिए जूस और जलपान की व्यवस्था की गई। ट्रस्ट के शिक्षक मयंक झा ने इस मौके पर बच्चों को माँ के महत्व और उनके त्याग के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि माँ ही बच्चे की पहली गुरु होती है और आज का यह सम्मान उसी निस्वार्थ सेवा के प्रति एक छोटी सी भेंट है।कार्यक्रम के अंत में संस्थापक भारती नेगी ने समाज के उत्थान में महिलाओं की भूमिका पर जोर दिया। यह आयोजन न केवल एक उत्सव था, बल्कि जे.जे. कॉलोनी के परिवारों के बीच एकता और सम्मान की भावना को जगाने का एक माध्यम भी बना।

श्रीमद्भागवत कथा सुनने से ही सार्थक हो जाता है जीवन: संजय जी महाराज

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। सेक्टर 119 के सफाबांद में चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन की कथा मे संजय जी महाराज ने कथा का वर्णन करते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत कथा के चौपाइयों को सुनने मात्र से जीवन सार्थक हो जाता है। आगे कहा कि श्रीमद्भागवत कथा के माध्यम से जीवन को एवं चरित्र को उत्तम बनाया जा सकता है।

कथा के मुख्य यजमान डॉ दिनेश यादव एवं जिले यादव ने व्यास पीठ की पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम का कुशल संचालन आजमगढ़ से आए उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय एंकर अभय तिवारी ने किया। इन्होंने अपने संचालन एवं शब्दों के माध्यम से श्रोताओं के मन को मोह लिया। इस अवसर पर राजकुमार सिंह, सूरज यादव, राकेश सिंह, पिंटू यादव एवं अशोक यादव सहित प्रबुद्ध लोग उपस्थित रहे।

महिला की ओवेरियन सिस्ट को बताया गैस दर्द, जांच के बाद हुआ खुलासा

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। लंबे समय से पेट दर्द और भारीपन की समस्या से जूझ रही महिला को कई अस्पतालों में गैस की समस्या बताकर इलाज दिया जाता रहा, लेकिन आराम नहीं मिला। बाद में जांच में पता चला कि महिला के पेट में ढाई से तीन किलो तक की बड़ी ओवेरियन सिस्ट थी। फेलिक्स हॉस्पिटल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने सफल ऑपरेशन कर महिला को नई जिंदगी दी। ऑपरेशन के बाद अब मरीज पूरी तरह स्वस्थ है और सामान्य रुप से चल-फिर तथा खाना-पीना कर रही है। मरीज और उसके परिजन ने डॉक्टर का धन्यवाद किया है।

फेलिक्स हॉस्पिटल के कंसल्टेंट सीनियर लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. रितेश अग्रवाल ने बताया कि जब मरीज अस्पताल आई तो उन्हें पेट दर्द के साथ भारीपन और असहजता की शिकायत थी। विस्तृत जांच में सामने आया कि मरीज की दाईं ओर ओवरी में ढाई से तीन किलो तक की बड़ी सिस्ट बनी हुई थी। इसके साथ ही पेरिटोनियल सिस्ट भी पाई गई। स्थिति को देखते हुए मरीज की एमआरआई जांच कराई गई और फिर ऑपरेशन की योजना बनाई गई। डॉ. रितेश अग्रवाल ने बताया कि ऑपरेशन से पहले गाइनोकोलॉजिस्ट डॉ. चारु से भी सलाह ली गई। ऑपरेशन के दौरान पता चला कि बड़ी सिस्ट के कारण मरीज की ओवरी घूम चुकी थी। इस स्थिति को मेडिकल भाषा में टॉर्शन कहा जाता है। लगातार घूमने के कारण ओवरी का रंग काला पड़ गया था, जिससे स्पष्ट था कि रक्त संचार प्रभावित हो चुका है। ऐसी स्थिति मरीज के लिए गंभीर हो सकती थी। ऑपरेशन के दौरान सबसे पहले दाईं ओर की प्रभावित ओवरी को हटाया गया। इसके साथ ही ढाई से तीन किलो की बड़ी सिस्ट भी सफलतापूर्वक निकाली गई। जांच के दौरान बाईं ओर भी चॉकलेट सिस्ट पाई गई। डॉक्टरों ने उसे भी सावधानीपूर्वक खोलकर बाहर निकाला और आगे की जांच के लिए भेज दिया। पूरी प्रक्रिया विशेषज्ञ टीम की निगरानी में की गई। ऑपरेशन के बाद मरीज को लगातार निगरानी में रखा गया।

उपचार के बाद उनकी स्थिति में तेजी से सुधार हुआ। दो दिन बाद मरीज को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। वर्तमान में मरीज पूरी तरह स्वस्थ हैं और सामान्य दिनचर्या अपना रही हैं। मरीज ने अस्पताल और डॉक्टरों की टीम का आभार जताते हुए कहा कि सही समय पर सही इलाज मिलने से उन्हें बड़ी परेशानी से राहत मिली है। फेलिक्स हॉस्पिटल के डॉ. रितेश अग्रवाल ने बताया कि बड़ी सिस्ट कई बार लंबे समय तक बिना सही पहचान के बढ़ती रहती है। शुरूआती लक्षण सामान्य गैस, पेट फूलना या हल्के दर्द जैसे लगते हैं, इसलिए महिलाएं इसे सामान्य समस्या समझकर नजरअंदाज कर देती हैं। समय पर सही जांच नहीं होने से सिस्ट का आकार बढ़ता जाता है और बाद में यह गंभीर स्थिति पैदा कर सकती है। कई मामलों में ओवरी टॉर्शन जैसी जटिलताएं भी सामने आती हैं, जिसमें ओवरी मुड़ जाने से रक्त प्रवाह रुक जाता है। यदि समय पर इलाज न मिले तो संक्रमण और अन्य खतरे भी बढ़ सकते हैं। डॉ. रितेश अग्रवाल ने महिलाओं को सलाह दी कि यदि लंबे समय तक पेट दर्द, पेट में भारीपन, सूजन, उल्टी, कमजोरी या लगातार असहजता महसूस हो तो इसे सामान्य गैस या एसिडिटी समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय पर अल्ट्रासाउंड और अन्य जरूरी जांच करानी चाहिए, ताकि बीमारी की सही पहचान हो सके।

महानगर कांग्रेस कमेटी की नॉर्थ ब्लॉक की मासिक बैठक संपन्न

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। आज नोएडा महानगर कांग्रेस कमेटी की नॉर्थ ब्लॉक की मासिक बैठक संपन्न हुई। जिसमें कांग्रेस की नीतियों को भविष्य में लागू करने हेतु विचार विमर्श किया गया। बैठक में नॉर्थ ब्लॉक के प्रभारी एडवोकेट संदीप सिंह सिसोदिया, कैप्टेन पी एस रावत, ब्लॉक अध्यक्ष राहुल पांडेय, मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह, श्रीवर्धन पद्माकर त्रिपाठी, गौरव गोगना, सुरेंद्र सिंह रावत, मनोज तिवारी, सिद्धेश्वर त्रिपाठी, ललित राज, भव्या रावत, रघुवीर त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

कोटारनाथ शिव धाम और ब्लॉक परिसर में श्रद्धा के साथ मनाया गया स्वाभिमान दिवस

हलिया/मीरजापुर। सोमनाथ मंदिर के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विकासखंड हलिया के प्रसिद्ध कोटारनाथ शिव धाम एवं ब्लॉक परिसर स्थित दुर्गा मंदिर में सोमवार को श्रद्धा और उत्साह के साथ स्वाभिमान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन खंड विकास अधिकारी विजय शंकर त्रिपाठी की अध्यक्षता एवं एडीओ पंचायत रूपेश श्रीवास्तव की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कोटारनाथ शिव मंदिर तथा ब्लॉक परिसर स्थित दुर्गा मंदिर में बड़ी टीवी स्क्रीन के माध्यम से स्वाभिमान दिवस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री के संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना और भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक परंपरा एवं राष्ट्रीय स्वाभिमान से जुड़े विचारों को आत्मसात किया। कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में विशेष साफ-सफाई अभियान चलाया गया तथा श्रद्धालुओं द्वारा पूजा-अर्चना और दीप प्रज्ज्वलन भी किया गया।

अहंकार त्यागने की प्रेरणा देती है गोवर्धन लीला: आचार्य माधवानंद

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

टप्पल। क्षेत्र के गांव खेड़िया बुजुर्ग में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन कथा व्यास आचार्य माधवानंद ने श्रद्धालुओं को गोवर्धन लीला का भावपूर्ण वर्णन सुनाया। कथा के दौरान उन्होंने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्र के अभिमान को तोड़ने और ब्रजवासियों की रक्षा के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी छोटी उंगली पर उठाया था। आचार्य ने कहा कि यह लीला हमें अहंकार त्यागकर प्रकृति और गौसेवा के महत्व को समझने की प्रेरणा देती है। वहीं कथा में पहुंचे समाजसेवी एड. देवेश मालान ने अपनी टीम के साथ कथा व्यास का पटका पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर आचार्य कपिल मोहन, शिवकुमार शर्मा, बुद्धा सिंह, सतपाल सिंह, चन्द्रमोहन सिंह, मोहन सिंह डीलर, वेदराम शर्मा, दिनेश चौधरी, विकास शर्मा, राकेश मालान, राकेश प्रधान उर्फ लाला, मनोज मालान आदि भक्त मौजूद रहे। वहीं क्षेत्र के गांव करनपुर में सोमवार सुबह को हुई कलश यात्रा के साथ श्री शिव महापुराण कथा का शुभारंभ हो गया। इसी के साथ कथा व्यास आचार्य योगेश ने पहले दिन भक्तों को कथा श्रवन करने का महत्व बताया।

कूड़ा जलाने पर कंपनी पर लगा 1.16 लाख का जुमार्ना

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर ईकोटेक 11 में कूड़ा जलाने पर एक कंपनी पर 1.16 लाख रुपए का जुमार्ना लगाया गया है। प्राधिकरण के जनस्वास्थ्य विभाग को सूचना मिली कि सेक्टर ईकोटेक 11 में एक कंपनी के पास कूड़ा जलाया जा रहा है। जनस्वास्थ्य विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। यह कूड़ा सेक्टर ईकोटेक -11 स्थित ई-गरुड़ा इलेक्ट्रिक मोबिलिटी नाम की कंपनी ने जलया है। जिसके चलते टीम ने कंपनी पर 1.16 लाख रुपए का जुमार्ना लगाया है। दोबारा ऐसी गलती करने पर और कठोर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। ठोस कचरा प्रबंधन नीति के अनुसार सभी बल्क वेस्ट जेनरेटरों को अपने परिसर का कूड़ा खुद से ही वैज्ञानिक पद्धति से प्रोसेस करना अनिवार्य है। प्राधिकरण की एसीईओ लक्ष्मी वीएस ने कूड़े का उचित प्रबंध करने, इधर-उधर न फेंकने और शहर को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग की अपील की है।

श्रीमद् भागवत कथा में हुआ राम जन्म एवं कृष्ण जन्म का प्रसंग

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। श्री राधावल्लभ मंदिर ग्राम झटटा सेक्टर 159 नोएडा में श्री श्री 1008 श्री किशोरी शरण जी महाराज बाबा सूरदास जी की कृपा से चल रही श्रीमद् भागवत महापुराण के चतुर्थ दिवस को श्रीमद्भागवत कथा का विस्तार से वर्णन किया गया। कथा वाचक पंडित श्री राकेश शास्त्री जी ने राम जन्म एवं कृष्ण जन्म की कथा का सार सुनाया। कहा कि कलयुग में भागवत की कथा सुनने मात्र से हर प्राणी को मोक्ष की प्राप्ति होती है। साथ ही सभी जन्मों के पापों का नाश होता है। राम जन्म एवं कृष्ण जन्म व बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए धर्म, अर्थ, काम व मोक्ष की महत्ता पर प्रकाश डाला। यह भी बताया कि 84 लाख योनियों में भटकने के पश्चात मानव शरीर की प्राप्ति होती है। जब-जब अत्याचार और अन्याय बढ़ता है तब तक प्रभु का अवतार होता है। प्रभु का अवतार अत्याचार को समाप्त करने और धर्म की स्थापना के लिए होता है। जब रावण का अत्याचार बढ़ा तब राम का जन्म हुआ। जब कंस ने सारी मयार्दाएं तोड़ी तो प्रभु श्री कृष्ण का जन्म हुआ।कथावाचक ने कहा कि भागवत कथा एक ऐसी कथा है जिसे ग्रहण करने मात्र से ही मन को शांति मिलती है। भागवत कथा सुनने से अहंकार का नाश होता है। श्रीमद्भागवत कथा के चतुर्थ दिन का भंडारा विजयपाल चौहान सुपुत्र स्वर्गीय रामचंद्र चौहान परिवार के द्वारा हुआ। अंत मे श्रीमद्भागवत भगवान की आरती हुई और प्रशाद वितरण हुआ। इस पावन भक्ति ज्ञान यज्ञ के महोत्सव पर सुखबीर, रोहताश चौहान, बाबूराम चौहान, दयाराम (एडवोकेट), जितेन्द्र चौहान (एडवोकेट), मनोज चौहान, बलबीर, सुंदर भाटी, जयवीर तंवर, उधम, महावीर बोहरा, हरिकिशन, बेगराज शर्मा, निक्की भाटी, सुंदर चौहान, नीरज मास्टर, सुभाष चौहान सहित सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

उपजिलाधिकारी व पुलिस क्षेत्राधिकारी ने किया सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत हलिया बाजार मे पैदल गस्त

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

हलिया/मिजार्पुर। उप जिलाधिकारी लालगंज महेंद्र प्रताप सिंह व पुलिस क्षेत्राधिकारी अमर बहादुर ने सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत मंगलवार को हलिया बाजार में पुलिस बल के साथ पैदल गस्त कर आम जन-मानस को सुरक्षा व्यवस्था का एहसास दिलाया उपजिलाधिकारी एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी द्वारा क्षेत्र भ्रमण के दौरान गड़बड़ा शीतला धाम कोटारनाथ महादेव मे भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए संबंधित को सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर आवश्यक दिशा निर्देश दिया तत्पश्चात हलिया बाजार में भारी पुलिस फोर्स के साथ पैदल गस्त कर आमजन तथा व्यापारियों को सुरक्षा व्यवस्था का एहसास दिलाया इस दौरान प्रभारी थानाध्यक्ष श्याम लाल, उपनिरीक्षक महेंद्र प्रताप, हेड कांस्टेबल अभिषेक चौबे सहित भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहे।

रजत विहार में मातृ दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का किया गया आयोजन

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। सेक्टर-62 स्थित रजत विहार सी-ब्लॉक में मातृ दिवस के अवसर पर यूनाइटेड रजत विहार द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं और बच्चों ने गीत प्रस्तुत किए, नृत्य किया तथा मातृत्व के सम्मान में एक साथ सहभागिता निभाई। इसके बाद सभी ने सामूहिक रूप से केक काटकर मातृ दिवस मनाया। इस आयोजन का नेतृत्व यूनाइटेड रजत विहार एवं पूर्व आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राजीव शर्मा, दिनेश सिंह, जितेंद्र अवस्थी ने, रोली शर्मा, शीतल भाटी ने किया। इस मौके पर राजीव शर्मा ने कहा की माताएं परिवार और समाज की आधारशिला हैं। हर माँ त्याग की मूर्ति है, वह पूजनीय है इसलिए माँ का सम्मान हर दिन होना चाहिए। कार्यक्रम के आयोजन में सोसायटी की वरिष्ठ महिलाओं के साथ उर्मिला बिष्ट, साधना अवस्थी, मोनिका शर्मा, प्रीति पांडेय, ममता गौड़, नीलम सिंह, रतनाम पुरवार, नेहा कुमार, अदिति सिंह, कोमल सिंह, सुजाता मोहाकुड के साथ समाज के सभी वर्गों से अनेकों प्रतिष्ठित महिलाएं शामिल हुईं। वहीं मातृ दिवस पर सोसाइटी की माताओं के सम्मान में सुब्रत मोहाकुड, महेश सिंह, अरुण गौड, ऋतुराज और नवीन चंदर सहित अन्य सदस्यों ने भाग लिया और व्यवस्थाएं बनाईं। कार्यक्रम का उद्देश्य मातृत्व के सम्मान के साथ-साथ समाज में एकता और सकारात्मकता को बढ़ावा देना रहा।

सम्पादकीय

जल संकट और भविष्य की राजनीति

पानी जीवन का आधार है, लेकिन 21वीं सदी में यही पानी दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक और सामाजिक चुनौतियों में से एक बनता जा रहा है। विशेष रूप से भारत जैसे विशाल और तेजी से विकसित हो रहे देश में जल संकट अब केवल पर्यावरणीय मुद्दा नहीं रहा, बल्कि यह भविष्य की राजनीति का भी केंद्रीय विषय बनता जा रहा है। भारत में हर वर्ष गर्मियों के साथ जल संकट की खबरें सामने आने लगती हैं। कई राज्यों में भूजल स्तर तेजी से गिर रहा है, नदियाँ सिकुड़ रही हैं और शहरों में पानी के लिए संघर्ष आम होता जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएँ कई किलोमीटर दूर से पानी लाने को मजबूर हैं, जबकि शहरों में टैंकर और बोतलबंद पानी पर निर्भरता बढ़ती जा रही है। यह स्थिति केवल संसाधन की कमी नहीं, बल्कि जल प्रबंधन की असफलताओं को भी उजागर करती है। विशेषज्ञों के अनुसार भारत के कई बड़े शहर आने वाले वर्षों में गंभीर जल संकट का सामना कर सकते हैं। बढ़ती जनसंख्या, अनियोजित शहरीकरण, भूजल का अत्यधिक दोहन और वर्षा जल के संरक्षण की कमी इस समस्या को और गहरा कर रहे हैं। नदियों का प्रदूषण भी जल उपलब्धता को सीमित कर रहा है। जब प्राकृतिक संसाधन सीमित होते हैं, तो उनके नियंत्रण और वितरण को लेकर राजनीति भी तेज हो जाती है। दरअसल पानी अब केवल पर्यावरण या विकास का विषय नहीं रहा, बल्कि यह राजनीतिक मुद्दा भी बन चुका है। राज्यों के बीच नदी जल बंटवारे को लेकर लंबे समय से विवाद होते रहे हैं। कई बार यह विवाद अदालतों तक पहुँच जाते हैं और राजनीतिक दल इसे जनभावनाओं से जोड़कर बड़ा मुद्दा बना देते हैं। आने वाले समय में पानी को लेकर ऐसे विवाद और बढ़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। शहरी राजनीति में भी पानी एक अहम चुनावी मुद्दा बनता जा रहा है। नगर निगम और स्थानीय निकाय चुनावों में पानी की आपूर्ति, पाइपलाइन व्यवस्था और जल संरक्षण योजनाएँ प्रमुख वादों में शामिल रहती हैं। जिन क्षेत्रों में पानी की कमी अधिक है, वहाँ जनता की नाराजगी भी सरकारों के लिए राजनीतिक चुनौती बन जाती है। जल संकट का एक और महत्वपूर्ण पहलू सामाजिक असमानता से जुड़ा है। आर्थिक रूप से सक्षम लोग महंगे टैंकर या बोतलबंद पानी खरीद सकते हैं, लेकिन गरीब और निम्न आय वर्ग को अक्सर दूषित या सीमित पानी से काम चलाना पड़ता है। यदि यह असमानता बढ़ती है तो यह सामाजिक तनाव और राजनीतिक अस्थिरता का कारण भी बन सकती है। इस स्थिति से निपटने के लिए केवल राजनीतिक बयानबाजी पर्याप्त नहीं होगी। दीर्घकालिक और ठोस नीतियों की आवश्यकता है। वर्षा जल संचयन को अनिवार्य बनाना, भूजल के अंधाधुंध दोहन पर नियंत्रण, नदियों और जलाशयों का संरक्षण, तथा जल प्रबंधन में आधुनिक तकनीक का उपयोग बेहद आवश्यक है।

दैनिक राशिफल

मेष : चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ।

कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। धार्मिक अनुष्ठान पूजा-पाठ इत्यादि का कार्यक्रम आयोजित हो सकता है।

वृषभ : इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो।

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा।

मिथुन : का, की, कु, घ, ङ:, छ, के, को, हा।

कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक काम करने की इच्छा रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। सुख के साधन प्राप्त होंगे।

कर्क : ही, हे, हु, हो, डा, डी, डू, डे, डो।

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। शारीरिक कष्ट संभव है। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है।

सिंह : मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे।

किसी दूसरे व्यक्ति की बातों में न आएं। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यापार अच्छा चलेगा।

कन्या : टो, पा, पी, पू, ष, ण:, ठ, पे, पो।

घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। परिवार में मांगलिक कार्य हो सकता है। धन प्राप्ति सुगम होगी।

तुला : रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते।

धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़ा लाभ हो सकता है।

वृश्चिक : तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू।

किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। व्यापार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

धनु : तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू।

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। भागदौड़ अधिक रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी।

मकर : भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी।

प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। नौकरी में प्रशंसा होगी। कार्यसिद्धि होगी।

कुंभ : गू, गे, गो, सो, सी, सू, स, से, दा।

दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। कोई मांगलिक कार्य हो सकता है।

मीन : दी, दू, थ, झ, यं, दे, दो, चा, ची।

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक पुरुषोत्तम पाण्डेय द्वारा मौनेक्स ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, बी-12, निकट एमएमजी अस्पताल, शंभू दयाल काम्पलेक्स, जीटी रोड, गाजियाबाद से मुद्रित एवं 498 प्रथम तल, मैत्री लेन, सैक्टर-5, वैशाली गाजियाबाद से प्रकाशित।

सम्पादक : विजय प्रकाश पाठक
Mob : 9910460742
website : www.swastiksahara.com
E-mail : swastiksaharanews@gmail.com

विधि सलाहकार
टेट्रा लीगल एलएलपी, लॉ फर्म, नई दिल्ली
मो. नं.: +91 99990 74369
ओमीलाल वर्मा (एडवोकेट)
मो. नं.: 98109 03664

City Office:
11, Maliwara, Near Pyarelal Park, Vasant Road, Ghaziabad-201001Phone : 0120-4252839

सोना खरीदने से क्यों मना कर रहे हैं मोदी?

नीरज कुमार दुबे

पश्चिम एशिया में जारी अमेरिका ईरान तनाव का असर अब भारत की अर्थव्यवस्था और आम लोगों की जिंदगी पर साफ दिखाई देने लगा है। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार हो रही तेजी, रुपये पर बढ़ता दबाव और विदेशी मुद्रा भंडार को लेकर गहराती चिंता के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से बचत करने की अपील की है। हैदराबाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने लोगों से एक वर्ष तक सोना खरीदने से बचने, विदेश यात्राएं टालने और जहां संभव हो वहां घर से काम करने जैसे उपाय अपनाने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित हुई है और होरमुज जलडमरूमध्य में बाधा आने से तेल की आपूर्ति को लेकर गंभीर संकट पैदा हो गया है। हम आपको बता दें कि यह समुद्री मार्ग दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन मार्गों में गिना जाता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के शांति प्रस्ताव को ठुकराए जाने के बाद कच्चे तेल की कीमतें एक सौ पांच डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गईं, जिससे पूरी दुनिया में महंगाई और ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

भारत अपनी जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में तेजी का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। रुपये में कमजोरी आई है और आयात बिल लगातार बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोरोना काल के दौरान देश ने घर से काम, वर्चुअल बैठकों और वीडियो संवाद जैसी व्यवस्थाओं को अपनाया था। अब समय आ गया है कि इन तरीकों को फिर से व्यापक रूप से अपनाया जाए ताकि ईंधन की खपत कम हो और विदेशी मुद्रा की बचत हो सके।

उन्होंने लोगों से मेट्रो रेल का अधिक उपयोग करने, कार पूल जैसी शेयरिंग व्यवस्था अपनाने और बिजली से चलने वाले वाहनों को प्राथमिकता देने की अपील की। साथ ही माल परिवहन को सड़कों की बजाय रेलमार्ग की ओर ले जाने की बात भी कही ताकि डीजल पर निर्भरता घटाई जा सके। हम आपको बता दें कि पश्चिम एशिया संकट के बाद भारत का ईंधन आयात खर्च तेजी से बढ़ा है और यदि होरमुज जलडमरूमध्य में बाधा लंबे समय तक बनी रही तो तेल की ऊंची कीमतें कई महीनों तक बनी रह सकती हैं। प्रधानमंत्री की सबसे अधिक चर्चा में रही अपील सोने की खरीद को लेकर थी। उन्होंने कहा कि देशहित में नागरिकों को कम से कम एक वर्ष तक सोना खरीदने से बचना चाहिए। हम आपको बता दें कि भारत दुनिया के सबसे बड़े सोना आयातकों में शामिल है और विवाह तथा त्योहारों के मौसम में इसकी मांग बहुत बढ़ जाती है। चूंकि सोना मुख्य रूप से विदेशों से आयात किया जाता है, इसलिए इसकी अधिक खरीद से डॉलर बाहर भेजना पड़ता है और भारत के घरेलू विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव पड़ता है।

अर्थशास्त्रियों के अनुसार भारत के लिए कच्चे तेल और सोने में एक समानता है। दोनों का बड़ा हिस्सा विदेशों से खरीदा जाता है और भुगतान अमेरिकी डॉलर में किया जाता है। जब तेल महंगा होता है और साथ ही सोने की मांग भी बढ़ जाती है, तब देश को आयात के लिए अधिक डॉलर खर्च करने पड़ते हैं। इससे चालू खाते का घाटा बढ़ता है और रुपये पर दबाव आता है। यही कारण है कि आर्थिक संकट के समय सरकारें अक्सर सोने के आयात को नियंत्रित करने के उपाय करती रही हैं। अतीत में भी आयात शुल्क बढ़ाने, आयात पर रोक लगाने और वैकल्पिक योजनाओं को बढ़ावा देने जैसे कदम उठाए जा चुके हैं।

प्रधानमंत्री ने लोगों से अनावश्यक विदेश यात्राएं, विदेशी पर्यटन और विदेशों में आयोजित होने वाले विवाह समारोह भी एक वर्ष तक टालने का आग्रह किया। उनका कहना था कि मध्यम वर्ग में विदेश घूमने और विदेश में विवाह करने का चलन तेजी से बढ़ा है, लेकिन मौजूदा वैश्विक संकट के समय विदेशी मुद्रा बचाना राष्ट्रीय आवश्यकता बन गया है।

इस बीच, अमेरिका ईरान युद्ध का असर वैश्विक सोना बाजार पर भी दिखाई दे रहा है। आम तौर पर युद्ध और भू-राजनीतिक तनाव के समय निवेशक सोने को सुरक्षित निवेश मानते हैं, जिससे इसकी कीमतें बढ़ती हैं। लेकिन इस बार स्थिति जटिल है क्योंकि तेल की कीमतों में उछाल से महंगाई और ब्याज दरों के लंबे समय तक ऊंचे बने रहने की आशंका बढ़ गई है। ऊंची ब्याज दरों के कारण निवेशक सोने की बजाय ब्याज देने वाले निवेश विकल्पों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। इसी कारण युद्ध की अनिश्चितता के बावजूद अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना हुआ है।

हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री ने केवल ईंधन और सोने तक ही अपनी अपील सीमित नहीं रखी। उन्होंने खाद्य तेल की खपत घटाने, रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम करने और प्राकृतिक खेती तथा स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने की भी बात कही। उनका कहना था कि किसी भी तरह विदेशी मुद्रा की बचत करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और देश को आत्मनिर्भर बनाने में हर नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है।

हालांकि विपक्ष ने प्रधानमंत्री की इस अपील पर सवाल भी उठाए हैं। कांग्रेस ने कहा है कि सरकार ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रही है और अब आम लोगों पर बोझ डाल रही है। दूसरी ओर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री की अपील को दूरदर्शी कदम बताते हुए कहा कि इससे भारत ऊर्जा के क्षेत्र में अधिक सुरक्षित और आत्मनिर्भर बन सकेगा।

उधर, विशेषज्ञों का मानना है कि प्रधानमंत्री का संदेश केवल सोना या ईंधन बचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश को संभावित वैश्विक आर्थिक संकट के लिए तैयार करने का संकेत भी है। यदि तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रहीं और सोने का आयात भी बढ़ता रहा, तो महंगाई, आयात बिल और रुपये पर दबाव और अधिक बढ़ सकता है। ऐसे में सरकार नागरिकों से संयम, बचत और स्वदेशी सोच अपनाने की अपील कर रही है ताकि वैश्विक संकट के बीच भारत की आर्थिक स्थिरता बनी रहे।

जनता की जान की कीमत पर वीआईपी सुरक्षा क्यों?

विनीत नारायण

नर्मदा नदी के बरगी बाँध के दुखद हादसे के बाद सोशल मीडिया पर एक आम नागरिक की टिप्पणी ने मुझे कुछ सोचने पर मजबूर किया। उसका कहना था कि जब देश में ऊर्जा संकट बढ़ रहा है और अनावश्यक दुर्घटनाओं में कीमती जीवन समाप्त हो रहे हैं, तो वीआईपी सुरक्षा के नाम पर हजारों गाड़ियाँ और सुरक्षा कर्मी क्यों रात-दिन भागते रहते हैं? जबकि यही सुरक्षा कर्मी अगर यातायात, भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा नियमों के कड़े अनुपालन और आपदा प्रबंधन के लिए तैनात रहे तो आम जनता को कितनी राहत मिलेगी?

भारतीय मूल का 38 वर्षीय हिमांशु गुलाटी नॉर्वे का तीसरी बार सांसद है और वहाँ का उप-कानून मंत्री भी। उसे कोई वीआईपी सुरक्षा नहीं मिली हुई। उसने मुझे बताया कि नॉर्वे की पिछली प्रधान मंत्री एर्ना सोलबर्ग जब एक बार उसके घर रात्रि भोज पर आईं तो वे बिना किसी सुरक्षा बंदोबस्त के स्वयं कार चला कर आईं और सीधे रसोई में जा कर रसोइए से हाल चाल पूछने लगीं।

सिडनी से मेरी मित्र विमला ने पिछला लेख पढ़ कर फोन पर बताया कि कुछ दिन पहले वो सिनेमा घर में फि ल्म देख रही थीं। अचानक उसकी निगाह पड़ी ऑस्ट्रेलिया के प्रधान मंत्री पर जो उसी पंक्ति में बिना किसी सुरक्षा के फि ल्म देख रहे थे। अमरीका और यूरोप के देशों में अक्सर आपको वर्तमान व निवर्तमान राष्ट्राध्यक्ष आम आदमी की तरह बाजारों में घूमते हुए दिख जाते हैं। जिनके आगे पीछे कोई सुरक्षा घेरा नहीं होता। नेपाल के नवनिर्वाचित प्रधान मंत्री बालेंद्र शाह ने नेपाल में वीआईपी संस्कृति को समाप्त करने के लिए कई कड़े निर्णय लिए हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि वे अपने फैसलों पर टिके रहेंगे।

यहाँ मेरा आशय भारत के राष्ट्रपति, प्रधान मंत्री व प्रदेशों के मुख्य मंत्रियों आदि की आवश्यक सुरक्षा को लेकर कोई टिप्पणी करने का नहीं है। पर इनके अलावा देश में लगभग 19,000 ऐसे लोग हैं जिन्हें सरकारी सुरक्षा प्रदान की गई है। जिस पर 66,000 सुरक्षा कर्मी तैनात हैं। अकेले दिल्ली में 500 लोगों को वीआईपी सुरक्षा मिली है जिस पर लगभग 750 करोड़ रुपया सालना खर्च होता है। अंदाजा लगाइए कि बाकी 18,500 लोगों की सुरक्षा पर कितने हजार करोड़ रुपया खर्च होता होगा? ये पैसा उस मतदाता की मेहनत की कमाई पर टैक्स लगाकर वसूला जाता है जिसे नर्मदा या वृंदावन की यमुना में सुरक्षा नियमों की लापरवाही के कारण बार-बार जान गवानी पड़ती है।

मुझे याद है कि 2003-05 में जब मैं वृंदावन के श्री बाँके बिहारी मंदिर का अदालत द्वारा नियुक्त रिसीवर था तो मैंने वहाँ वीआईपी गाड़ियों के प्रवेश को रोकने के लिए दो मुख्य रास्तों के शुरू में ही लोहे की चेन लगवा दी थी जो आज तक लगी हैं। ऐसा मैंने तब किया जब संकरे प्रवेश मार्ग में मंदिर तक जाने को आमदा एक एसडीएम की गाड़ी ने एक वृद्ध महिला को कुचल दिया।

गली के बाहर मैंने एक बोर्ड भी टंगवा दिया था। जिस पर लिखा था, 'बिहारी जी धनीनाथ या वीआईपीनाथ नहीं हैं झ वे दीनबंधु दीनानाथ हैं। उनके द्वार पर दिन बनकर आओगे तभी उनकी कृपा पाओगे।' मुझे खुशी है कि न सिर्फ. केंद्रीय मंत्रियों ने बल्कि सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश तक ने इस नियम का पालन किया।

पिछले कई दशकों से हालत यह है कि हर चंगू-मंगू, ऐरा-गैरा अपने राजनैतिक संपर्कों का लाभ उठा कर सरकारी सुरक्षा ले लेता है और फिर जनता के बीच दबंगई से घूमता है। इनमें से 99 फीसदी लोग ऐसे होते हैं जिन्हें कोई खतरा नहीं होता। पर अपनी ताकत और रुतबे का प्रदर्शन करने के लिए उन्हें सरकारी सुरक्षा पाने की लालसा रहती है। अगर पाठकों को ये आत्मश्लाघा न लगे तो विनम्रता से यहाँ उल्लेख करना चाहूँगा कि 1993-98 के बीच अलग-अलग जगहों पर मुझ पर कई बार जानलेवा हमले हुए। क्योंकि 'जैन हवाला कांड' को उजागर करके मैंने देश के सबसे ताकतवर लोगों और हिज्बुल मुजाहिद्दीन के आतंकवादियों के विरुद्ध अकेले ही युद्ध छेड़ दिया था।

पर प्रभु कृपा से मैं न तो डरा, न झुका और न बिका। उस दौर में भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त श्री टी एन शेषन और मैं देश भर में जनसभाओं को संबोधित करने जाते थे तो अक्सर मुझसे यह प्रश्न पूछा जाता था कि 'आप इतना खतरनाक युद्ध लड़ रहे हैं, आपको डर नहीं लगता?' मेरा श्रोताओं को उत्तर होता था, 'मारे कृष्णा राखे के, राखे कृष्णा मारे के', श्री चैतन्य महाप्रभु के उक्त वचन से मुझे नैतिक बल मिलता था।

इसलिए मुझे आश्चर्य होता है कि बड़े-बड़े मंचों से धार्मिक प्रवचन करने वाले केसरिया वेश धारी भी कमांडो और पुलिस के घेरे में रह कर गर्व का अनुभव करते हैं।

माया मोह त्यागने का उपदेश देने वालों की कथनी और करनी में इस भेद के कारण ही देश की आध्यात्मिक चेतना का विकास नहीं हो पा रहा है। धर्म भी एक शान-शौकत की चीज बनता जा रहा है।

समय की माँग है कि प्रधान मंत्री मोदी सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ इस विषय पर गंभीर चिंतन करें और एक ऐसी नीति बनाएँ जिसमें सरकार की ओर से केवल राष्ट्रपति, उप-राष्ट्रपति, प्रधान मंत्री, राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों और सर्वोच्च व उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों को छोड़ कर बाकी किसी को तब तक सुरक्षा न मिले जबतक की वास्तव में उनके जीवन को गंभीर खतरा न हो। इसमें उन राजनेताओं को भी अनावश्यक सुरक्षा न दी जाए जो इन पदों पर रह चुके हों, पर अब किसी पद पर न हों।

इसके बावजूद अगर कुछ नेता, उद्योगपति या अन्य लोग सरकारी सुरक्षा पाने के लिए आवेदन करें तो उन्हें यह सुरक्षा इस शर्त पर दी जाए कि वे इसका खर्चा स्वयं वहन करेंगे। यहाँ कोई सवाल खड़ा कर सकता है कि इन लोगों को सुरक्षा देना सरकार की ज़िम्मेदारी है। उसका उत्तर है कि जो लोग शासन प्रशासन की लापरवाही से आए दिन दुर्घटनाओं में जान गंवा रहे हैं उनकी सुरक्षा की ज़िम्मेदारी किसकी है?

भारत उभरते बाजारों में सबसे मजबूत आर्थिकी

डा. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने अपनी रिपोर्ट मई 2026 में कहा कि भारत उभरते बाजारों में 2020 के बाद से सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था बना हुआ है। भारत के बड़े विदेशी मुद्रा भंडार और आर्थिक सुधारों ने तमाम आर्थिक तूफानों व भूराजनीतिक संकटों के बीच भी भारत को आगे बढ़ाया है। साथ ही भविष्य में भारत के और तेजी से आगे बढ़ने की संभावनाएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। उल्लेखनीय है कि 9 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पांच राज्यों के ताजा विधानसभा चुनावों के नतीजे देश में राजनीतिक स्थिरता व लोकतंत्र की मजबूती के लिए शुभ संकेत हैं और इससे आर्थिक रफ्तार को और तेज करने की दिशा में नई संभावनाएं पैदा होंगी।

इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि ताजा चुनाव नतीजे देश में आर्थिक नीतिगत स्थिरता, घरेलू बाजार की मजबूती, नई पीढ़ी के सुधार, क्षेत्रीय आर्थिक विकास तथा राष्ट्रीय परियोजनाओं के तेज क्रियान्वयन को गति देते हुए दिखाई देंगे। साथ ही देश के पूर्वी राज्यों और केंद्र के बीच बेहतर तालमेल से सुधार और विकास की नीतियां तेजी से लागू होंगी।

गौरतलब है कि भारत में राजनीतिक स्थिरता के परिदृश्य से भारत पर दुनिया का आर्थिक भरोसा लगातार बढ़ता जा रहा है। अब भारत में देशी-विदेशी निवेश बढ़ने के साथ विदेश व्यापार और सेवा निर्यात का ग्राफ भी तेजी से बढ़ते हुए दिखाई देगा। यह बात महत्वपूर्ण है कि वैश्विक चुनौतियों और पश्चिम एशिया संकट के बीच वर्ष 2026 में दुनिया में भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला देश बना रहेगा। हाल ही में प्रकाशित अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की रिपोर्ट अप्रैल 2026 के अनुसार वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच वर्ष 2026 में 6.5 प्रतिशत विकास दर के साथ भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती विकास दर वाला देश बना रहेगा।

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) और विश्व बैंक ने भी भारत के लिए ऐसे ही तेज विकास दर के अनुमान प्रस्तुत किए हैं। अब देश में देशी-विदेशी निवेश बढ़ने की संभावनाएं बढ़ेंगी। पिछले दिनों 30 अप्रैल को उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव ने कहा कि नीतिगत सुधारों और आपूर्ति श्रृंखला में बदलावों की मदद से वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आंकड़ा 90 अरब डॉलर के पार जा सकता है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि तेजी से बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था के मद्देनजर दुनिया के विकसित और विकासशील देश तेजी से भारत के साथ कारोबार बढ़ाने के मद्देनजर आगे बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस समय दुनिया में आकार ले रही नई विश्व अर्थव्यवस्था भारत की ओर झुकी हुई है।

पहले अधिकांश अंतरराष्ट्रीय आर्थिक-व्यापारिक टिप्पणियों में कहा जाता था कि भारत ने मौका गंवा दिया, लेकिन अब दुनिया भर के देशों का मानना है कि अगर वे आर्थिक रूप से तेजी से बढ़ते हुए भारत के साथ नहीं जुड़ पाए तो वे महत्वपूर्ण मौका गंवा देंगे। निःसंदेह भारत के लिए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) और द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के माध्यम से निर्यात के नए बाजारों में दस्तक देने की संभावनाएं तेज होंगी। पिछले दिनों 27 अप्रैल को भारत और न्यूजीलैंड के बीच एक ऐतिहासिक एफटीए हुआ है।

न्यूजीलैंड के साथ किए गए इस एफटीए का अत्यधिक मजबूत पक्ष भारत से सेवा निर्यात बढ़ाना और भारत से पेशेवरों को न्यूजीलैंड में अच्छे अवसरों के लिए आगे बढ़ाना भी है। यह भी महत्वपूर्ण है कि पिछले वर्ष 2025 में भारत के द्वारा ब्रिटेन और ओमान के साथ किए गए एफटीए का भी इसी वर्ष 2026 में आगामी महीनों में कार्यान्वयन शुरू होगा। साथ ही भारत-यूरोपीय संघ एफटीए का क्रियान्वयन भी इसी वर्ष संभावित है। अब मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टाइन के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के साथ सफलतापूर्वक कार्यान्वित हो रहे एफटीए के और अधिक लाभ मिलते हुए दिखाई देंगे। इतना ही नहीं, कनाडा, इजरायल, रूस, पेरू, चिली, दक्षिण अफ्रीका और मेक्सिको के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर काम में तेजी आएगी। यह बात ध्यान रखी जानी होगी कि अभी अमरीका के साथ व्यापार वार्ता में जल्दबाजी नहीं की जाए।

अमरीका के अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय ने राष्ट्रपति डानोल्ड ट्रंप द्वारा व्यापार अधिनियम 1974 की धारा 122 के तहत लगाया गया 10 प्रतिशत वैश्विक शुल्क 8 मई को रद्द कर दिया। यह फैसला 20 फरवरी को टैरिफ लागू होने के 50 दिनों से भी कम समय में आया है। इस फैसले से अमरीका के शुल्क को लेकर अनिश्चितता और बढ़ सकती है, जिससे भारत और अमरीका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के निष्कर्ष पर असर पड़ सकता है। ऐसे में भारत को अमरीका के अधिक स्थिर और कानूनी रूप से विश्वसनीय व्यापार प्रणाली विकसित करने तक बीटीए पर अंतिम फैसले को लेकर इंतजार करना चाहिए। अमरीकी शुल्क नीति को लेकर लगातार अनिश्चितता, ट्रंप प्रशासन के शुल्क के फैसलों को अदालत द्वारा बार बार रद्द किए जाने से भारत के किसी भी दीर्घकालीन व्यापार प्रतिबद्धता को उचित ठहराना मुश्किल हो जाएगा। इस समय अमरीका भी अपने मानक मोस्ट फेवर्ड नेशन (एमएफएन) के तहत शुल्क कम करने को तैयार नहीं है, जबकि वह भारत से अधिकांश क्षेत्रों में शुल्क कम या समाप्त करने की अपेक्षा कर रहा है। ऐसी परिस्थितियों में किसी भी व्यापार समझौते के एकतरफा होने का जोखिम है, जिसमें भारत को बिना किसी सार्थक टैरिफ लाभ के बदले स्थायी बाजार पहुंच रियायतें देनी होंगी। निश्चित रूप से अब व्यापार समझौतों और निर्यात के नए बाजारों के कारण भारत का सेवा निर्यात भी बढ़ेगा। दुनिया में इस समय अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के नवीनतम विश्व आर्थिक परिदृश्य में प्रकाशित सेवा निर्यात से संबंधित अध्ययन रिपोर्ट भी रेखांकित हो रही है। इसमें कहा गया है कि हाल के दशकों में भारत से सेवाओं का निर्यात वस्तुओं की तुलना में कहीं तेजी से बढ़ा है। ये ऐसी सेवाएं हैं जिन्हें बिना भौतिक निकटता के सीमाओं के पार पहुंचाना आसान है। साथ ही डिजिटल प्लेटफॉर्म, क्लाउड कंप्यूटिंग और रिमोट वर्क ने कई सेवाओं को व्यापार योग्य बना दिया है। जैसे-जैसे दूरी का महत्त्व कम होता जा रहा है और डिजिटल व्यापार बढ़ रहा है, वैसे-वैसे भारत से सेवाओं का निर्यात बढ़ रहा है।

निश्चित रूप से भारत की आर्थिक ताकत को और तेजी से बढ़ाने के लिए हमें बहुआयामी दृष्टिकोण के साथ कई बातों पर ध्यान देना होगा। अब अल्पकालिक वृद्धि के पीछे भागने के बजाय, भारत को मध्यम अवधि की राजकोषीय और बा' स्थिरता को सुरक्षित रखना होगा। लंबे समय से लंबित सुधारों को आगे बढ़ाना होगा। अब भारत का ध्यान सेवाओं की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने पर होना चाहिए। एआई जैसे उच्च स्तरीय क्षेत्रों में निवेश, मजबूत डिजिटल अधोसंरचना, और नियामक बाधाओं को बहुपक्षीय प्रयासों के माध्यम से आसान बनाना होगा, जो सीमाओं के पार सेवा निर्यात को बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकें। इस बात की ओर भी ध्यान देना होगा कि भारत का जो निर्यात कुछ ही बाजारों और कुछ ही देशों तक सीमित है, उसे विभिन्न अधिक वस्तुओं और विभिन्न अधिक देशों तक विस्तारित किया जाए। इन सबके साथ-साथ बुनियादी ढांचा, निवेश अनुकूल वातावरण, श्रम सुधार, नवीनीकरण ऊर्जा आदि को ध्यान में रखकर भारत दुनिया का और अधिक आर्थिक भरोसा बढ़ा सकेगा। साथ ही भारत 2047 तक विकसित भारत बनने की राह पर भी आगे बढ़ते हुए दिखाई दे सकेगा।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर जनपद में दिखा आस्था और स्वच्छता का संगम

प्रधानमंत्री के संबोधन का हुआ सजीव प्रसारण, शिवालयों में चलाया विशेष स्वच्छता अभियान

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अवसर पर जनपद में श्रद्धा, स्वच्छता एवं सांस्कृतिक गौरव का अद्भुत संगम देखने को मिला। कलेक्ट्रेट सभागार सहित विभिन्न विकास खंड परिसरों में माननीय प्रधानमंत्री के संबोधन का सजीव प्रसारण किया गया, जिसे अधिकारियों, कर्मचारियों, महिलाओं एवं आमजन ने उत्साहपूर्वक सुना।

जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, जिला विकास अधिकारी हेमंत कुमार सिंह, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, सहायक पर्यटन अधिकारी राजेश भारती सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। पर्व के अवसर पर जनपद के विभिन्न शिवालयों एवं मंदिर परिसरों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। मंदिरों की साफ-सफाई, रंग-रोगन एवं परिसर व्यवस्था को दुरुस्त किया गया। श्रद्धालुओं ने वैदिक मंत्रोच्चार, रुद्राभिषेक, पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्ज्वलन कर भगवान शिव की आराधना की। धार्मिक आयोजनों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक परंपरा और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों की स्वच्छता एवं संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करते हैं। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि स्वच्छता अभियान को जनआंदोलन के रूप में आगे बढ़ाएं तथा धार्मिक स्थलों की पवित्रता बनाए रखने में सक्रिय सहभागिता निभाएं। इस अवसर पर जनपद स्तरीय अधिकारीगण, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, धर्माचार्य एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पूर्व मंत्री नरेश उत्तम का नोएडा आगमन पर हुआ भव्य स्वागत

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। फतेहपुर से लोकसभा सदस्य पूर्व मंत्री नरेश उत्तम का आगमन धर्मपत्नी के साथ दीपक विग (चेयरमैन पंजाबी विकास मंच) पूर्व महानगर अध्यक्ष सपा के निवास स्थान सेक्टर 12 में हुआ। दीपक विग के नेतृत्व में नरेश उत्तम और उनकी धर्मपत्नी विजय लक्ष्मी उत्तम का अभिनंदन व स्वागत अतुल यादव राष्ट्रीय उपाध्यक्ष छात्र सभा, गौरव सिंघल प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, गौरव चाचरा सपा प्रवक्ता, केपी यादव यूथ ब्रिगेड अध्यक्ष, सुनीता शारदा पूर्व महिला सभा अध्यक्ष, दिनेश यादव पूर्व कोषाध्यक्ष, बिलाल बरनी पूर्व मीडिया प्रभारी व नीलम विग धर्मपत्नी दीपक विग नें किया। नरेश उत्तम नें सबको संबोधित करते हुए कहा की सपा महिला आरक्षण को 2027 में लागू करने की माँग कर रहीं हैं। जब 2023 में ही महिला आरक्षण पास हों चुका हैं तों बीजेपी इसमें परिसीमन का अड़ंगा क्यों लगा रहीं हैं। किसानों को किसी भी फसल पर एमएसपी नहीं दें रहीं।शहरों में हत्या लूटपाट चैनस्नेचिंग राहजनी बढ़ रहीं हैं। भ्रष्टाचार चरम पर हैं और आने वाले 2027 चुनावों में यें पर्ची खर्ची वाली सरकार बदल जाएगी। विजयलक्ष्मी उत्तम ने बीजेपी की महिलामोर्चा की गुंडागर्दी का जो अपने घर पर बहादुरी से सामना किया वों भी काबिलेतारीफ था। इसके लिये उन्हें विशेष तोर पर धन्यवाद दीपक विग व अन्य कार्यकर्ताओ नें दिया।

एयरपोर्ट डोमेस्टिक टर्मिनल थाने पर बढ़ेंगे 35 पुलिसकर्मी

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से घरेलू उड़ानें शुरू होने जा रही हैं। जिसके लिए टिकटों की बुकिंग भी शुरू हो गई है। एयरपोर्ट में आने वाले यात्रियों को देखते हुए पुलिस विभाग भी तैयारियों में जुट गया है। एयरपोर्ट के अंदर संचालित होने वाले थाने में अब पुलिस कर्मियों के स्टाफ में बढ़ोतरी की जाएगी। जिससे यहां आने वाले लोगों को और बेहतर और सुरक्षित माहौल दिया जा सके।

एयरपोर्ट प्रबंधन 15 जून से घरेलू उड़ानें शुरू कर देगा। जिसके बाद दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और आसपास के कई राज्यों के यात्री यहां आएंगे। इसे देखते हुए पुलिस विभाग एयरपोर्ट परिसर की सुरक्षा को ज्यादा दुरुस्त करने की तैयारी कर चुका है। परिसर के अंदर संचालित होने वाले थाना जेवर एयरपोर्ट डोमेस्टिक टर्मिनल में पुलिस कर्मियों की संख्या बढ़ाई जाएगी। जिससे रोटेशन के अनुसार कर्मचारियों की तैनाती की जाएगी और यात्रियों की सुरक्षा के साथ ही कानून व्यवस्था को दुरुस्त किया जाएगा। उड़ानें शुरू होने से पहले ही पुलिस कर्मियों को थाने में नियुक्ति दे दी जाएगी।

पुलिस विभाग की ओर से एयरपोर्ट परिसर के अंदर दो थाने स्वीकृत हुए हैं। इसमें थाना जेवर एयरपोर्ट डोमेस्टिक टर्मिनल और थाना जेवर एयरपोर्ट इंटरनेशनल टर्मिनल है। वर्तमान में थाना डोमेस्टिक टर्मिनल का संचालन हो रहा है और यहां पर स्टाफ की तैनाती है। अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू होने तक थाना इंटरनेशनल टर्मिनल भी शुरू हो जाएगा। एयरपोर्ट परिसर के अंदर संचालित थाना डोमेस्टिक टर्मिनल से एयरपोर्ट की निगरानी के लिए तीन पुलिस चौकियों का संचालन हो रहा है।

बिना नंबर प्लेट की गाड़ियों को अब नहीं मिलेगा सेक्टर में प्रवेश

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर पी-3 में अब बिना नंबर प्लेट की गाड़ियों को प्रवेश नहीं मिलेगा। आरडब्ल्यूए की ओर से यह निर्णय रविवार देर रात लिया गया है। आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों का कहना है कि कई दिनों से चोरी व अन्य घटनाएं बढ़ गई हैं। उन्होंने बताया कि शहर में पिछले कुछ समय से बिना नंबर प्लेट के वाहन दौड़ रहे हैं। बिना नंबर प्लेट वाहन चलाने वालों द्वारा घटनाओं को भी अंजाम दिया जाता है। ऐसे में सेक्टर के लोगों की सुरक्षा को देखते हुए निर्णय लिया है। सेक्टर अध्यक्ष अमित भाटी ने बताया कि बिना नंबर प्लेट वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। सेक्टर के लोगों ने भी आरडब्ल्यूए के निर्णय को सराहा है। सेक्टर के गेटों पर तैनात गार्डों को सतर्क कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि आवश्यकता पड़ने पर पुलिस प्रशासन का भी सहयोग लिया जा रहा है।

राज्यमंत्री बने सुरेन्द्र दिलेर का युवाओं ने किया स्वागत

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

टप्पल। उत्तर प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री बने विधायक सुरेन्द्र दिलेर का टप्पल भाजयुमो अध्यक्ष अखलेश कुमार के नेतृत्व में लखनऊ पहुंची युवाओं की टीम ने माला पहनाकर स्वागत किया और उन्हें बधाई दी। साथ ही दिलेर को सीएम योगी आदित्यनाथ की तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया। अखलेश कुमार ने कहा कि यह सब सीएम योगी की सोच का परिणाम है, जिन्होंने अपनी टीम में एक युवा को जनता की सेवा करने का मौका दिया है। इस अवसर पर प्रहलाद सिंह, मनोज चौधरी, नीरज चौधरी, धीरज चौधरी आदि युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे। वहीं हामिदपुर निवासी जिला पंचायत सदस्य योगेश प्रधान के नेतृत्व में टप्पल के किसानों ने लखनऊ पहुंचकर सुरेन्द्र दिलेर का माला पहनाकर स्वागत किया और उन्हें पुष्प गुच्छ देकर बधाई दी। इस दौरान गजेन्द्र प्रधान, अनिल कुमार, प्रवीन कुमार उर्फ छोटू, हरिकेश सिंह, ज्ञान चौधरी, अजय शर्मा, मोहित चौधरी आदि किसान मौजूद रहे। वहीं पूर्व चेयरमैन चौधरी मनवीर सिंह ने अपने आवास पर विधायक सुरेन्द्र दिलेर के राज्यमंत्री बनने पर मिठाई वितरित करके खुशी मनाई। चेयरमैन ने कहा कि दिलेर का मंत्री बनना खैर विधानसभा की जनता के लिए सौभाग्य की बात है। निश्चित ही वह युवा पीढ़ी का नेतृत्व करेंगे। इस अवसर पर पूर्व चेयरमैन राजपाल सिंह, सचिन अग्रवाल, बलवेन्द्र सिंह उर्फ मोनू, सोनवीर डागर, सौरभ चौधरी, आकाश चौधरी पूर्व सभासद आदि लौग मौजूद रहे। वहीं गांव हजियापुर में एडवोकेट देवेश मालान ने अपने समर्थकों के साथ दिलेर के मंत्री बनने पर हर्ष व्यक्त किया और दिलेर को फोन कर बधाई दी। इस दौरान मनोज मालान, अरविंद मालान, राकेश मालान, राकेश प्रधान आदि लोग मौजूद रहे।

शादी का कार्ड बांटने जा रहे युवक समेत दो घायल, ट्रामा सेंटर रेफर

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

मीरजापुर। हलिया थाना क्षेत्र के लालगंज-हलिया मार्ग स्थित मझीयार इंदिरा वाटिका कोटारनाथ मोड़ के पास सोमवार सुबह करीब 6 बजे दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में शादी का निमंत्रण कार्ड बांटने जा रहे युवक समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंचे ग्रामीणों ने एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार लालगंज थाना क्षेत्र के नरैना कला गांव निवासी 22 वर्षीय बैजनाथ अपने 62 वर्षीय दादा केवला प्रसाद के साथ आगामी 18 मई को होने वाली शादी का निमंत्रण कार्ड बांटने गड़बड़ा जा रहे थे। इसी दौरान हलिया थाना क्षेत्र के मझीयार इंदिरा वाटिका कोटारनाथ मोड़ के पास सामने से आ रही अज्ञात बाइक से उनकी बाइक की जोरदार टक्कर हो गई।

टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक चालक बैजनाथ और पीछे बैठे केवला प्रसाद सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने तत्काल एंबुलेंस बुलाकर दोनों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया भेजा। वहां मौजूद डॉ. विवेक खरे ने प्राथमिक उपचार के बाद केवला प्रसाद के बाएं पैर में गंभीर चोट तथा बैजनाथ की हालत गंभीर देखते हुए दोनों को बेहतर इलाज के लिए ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। बताया गया कि बैजनाथ की शादी आगामी 18 मई को तय है। हादसे के बाद परिजनों में चिंता और मायूसी का माहौल बना हुआ है। वहीं दुर्घटना में शामिल दूसरी बाइक का चालक मामूली चोट लगने के बाद मौके से फरार हो गया।

जलभराव और पेयजल समस्या के समाधान को लेकर जिलाधिकारी सख्त, नगर क्षेत्र के लिए कार्ययोजना बनाने को चार सदस्यीय की गई टीम गठित

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित जनसुनवाई कक्ष में नगर क्षेत्र की पेयजल आपूर्ति, सीवर लाइन, कूड़ा कलेक्शन व्यवस्था एवं नाला निर्माण कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर पालिका क्षेत्र में बरसात के दौरान होने वाली जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान हेतु विस्तृत चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने नगर पालिका क्षेत्र में जलभराव की समस्या के निराकरण के लिए अधिशासी अभियंता जल निगम नगरीय, अधिशासी अभियंता जल निगम ग्रामीण, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद रॉबर्ट्सगंज एवं अधिशासी अभियंता सिंचाई विभाग के अधिकारियों की संयुक्त चार सदस्यीय टीम गठित करने के निर्देश दिए। उन्होंने टीम को शीघ्र विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने निर्देशित किया कि नगर क्षेत्र में जलनिकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि बरसात के दौरान नागरिकों को राहत मिल सके। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता जल निगम शहरी को निर्देश दिया कि नगर क्षेत्र में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना का कार्य प्राथमिकता के आधार पर प्रारंभ कराया जाए। साथ ही उपजिलाधिकारी को तत्काल भूमि चिन्हांकन सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने नगर पालिका के विस्तारित क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति हेतु एक सप्ताह के भीतर कार्ययोजना तैयार कर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर क्षेत्र के प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा चुर्क-घुरमा नगर पंचायत क्षेत्र में पेयजल समस्या के स्थायी समाधान के लिए वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट स्थापना की कार्ययोजना शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश भी अधिशासी अभियंता जल निगम शहरी को दिए गए। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद को सीवर सप्लाई से जुड़ी समस्याओं का तत्काल निराकरण कराने, डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन नियमित रूप से संचालित कराने तथा नगर क्षेत्र में बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान सीएनडीएस के एई को नगर पालिका क्षेत्र में चल रहे नाला निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) श्री वागीश कुमार शुक्ला, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद मुकेश कुमार, एई जल निगम शहरी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

इलेक्ट्रॉनिक सिटी मेट्रो स्टेशन से कूदकर व्यक्ति ने दी जान

नोएडा। सेक्टर-63 स्थित इलेक्ट्रॉनिक सिटी मेट्रो स्टेशन पर सोमवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक व्यक्ति ने स्टेशन से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची कोतवाली सेक्टर-63 पुलिस ने घायल अवस्था में व्यक्ति को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कोतवाली प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि सोमवार सुबह पुलिस को सूचना मिली थी कि इलेक्ट्रॉनिक सिटी मेट्रो स्टेशन से एक व्यक्ति ने छलांग लगा दी है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल व्यक्ति को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र करीब 45 वर्ष बताई जा रही है। फिलहाल उसकी पहचान नहीं हो सकी है।

जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक ने सुनी आमजन की समस्याएं, निष्पक्ष निस्तारण के दिए गए निर्देश

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई/जनता दर्शन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ सुना गया। कार्यक्रम के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, गुमशुदगी, साइबर धोखाधड़ी, राजस्व प्रकरणों सहित अन्य पुलिस संबंधी शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों को मामलों के निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण एवं तथ्यपरक जांच सुनिश्चित की जाए तथा पीड़ितों को की गई कार्रवाई की जानकारी समय पर उपलब्ध कराई जाए। साथ ही किसी भी स्तर पर लापरवाही, अनावश्यक विलंब अथवा उत्पीड़न पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई किए जाने की चेतावनी भी दी। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिन मामलों में त्वरित हस्तक्षेप की आवश्यकता है, उनमें तत्काल विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए ताकि पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिल सके। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई कार्यक्रम पुलिस और जनता के बीच विश्वास, संवाद एवं पारदर्शिता को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है। आमजन की समस्याओं का त्वरित, निष्पक्ष और संतोषजनक समाधान पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पर्यावरण संरक्षण में उत्कृष्ट योगदान के लिए सचिन गुप्ता सम्मानित

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक जागरुकता एवं जनभागीदारी आधारित अभियानों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले सचिन गुप्ता संस्थापक एवं निदेशक वाईएसएस फाउंडेशन को नवरत्न फाउंडेशन्स द्वारा उनके प्रतिष्ठित एवं सर्वोच्च सम्मान 'एफ. बी.निगम स्मृति पुरस्कार 2026' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें स्वच्छ यमुना मिशन के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता जागरूकता एवं समाज में सकारात्मक सहभागिता को बढ़ावा देने हेतु किए जा रहे निरंतर प्रयासों के लिए प्रदान किया गया। नवरत्न फाउंडेशन्स के अध्यक्ष डॉ. अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि सचिन गुप्ता के नेतृत्व में पिछले कई वर्षों से यमुना नदी के तटों पर नियमित स्वच्छता अभियान, पर्यावरण जागरुकता कार्यक्रम एवं युवाओं को सामाजिक कार्यों से जोड़ने का सराहनीय कार्य किया जा रहा है। वाईएसएस फाउंडेशन ने पर्यावरण संरक्षण को केवल अभियान तक सीमित न रखते हुए उसे जनआंदोलन का स्वरूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस अवसर पर सचिन गुप्ता ने बताया कि यह सम्मान मेरे लिए गर्व, प्रेरणा एवं जिम्मेदारी का प्रतीक है। मैं इसे अपने माता-पिता, गुरुजनों, वाईएसएस फाउंडेशन की पूरी टीम, स्वयंसेवकों एवं सभी सहयोगियों को समर्पित करता हूँ, जिनके सहयोग एवं विश्वास ने मुझे सदैव समाज सेवा के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने नवरत्न फाउंडेशन्स एवं उनकी पूरी टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें समाज एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा देगा।

काशी में गूंजा सनातन स्वाभिमान का स्वर, बाबा विश्वनाथ धाम में भव्यता से मनाया गया 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व'

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

वाराणसी। श्री काशी विश्वनाथ धाम सोमवार को 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व-अटूट आस्था के हजार वर्ष' कार्यक्रम के दौरान आध्यात्मिक ऊर्जा, सांस्कृतिक गरिमा और सनातन चेतना से आलोकित हो उठा। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक दिवसीय दौरे पर वाराणसी पहुंचे और बाबा विश्वनाथ के दरबार में विधि-विधान से दर्शन-पूजन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। पुलिस लाइन हेलीपैड से दोनों का काफिला सीधे काशी विश्वनाथ धाम पहुंचा, जहां विद्यालय की छात्राओं ने शंखनाद, वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक स्वागत से अतिथियों का अभिनंदन किया। इसके बाद राज्यपाल और मुख्यमंत्री त्र्यंबकेश्वर सभागार में आयोजित 'सोमनाथ संकल्प पूजन' कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में बीएचयू के छात्रों द्वारा निर्मित सोमनाथ मंदिर की प्रतिकृति पार्थिव ज्योतिर्लिंग की स्थापना की गई, जिस पर राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने विधिवत जलाभिषेक और पूजन किया। आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' भारत की हजारों वर्षों पुरानी आस्था, सांस्कृतिक चेतना और आत्मगौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पश्चिम में स्थित सोमनाथ और पूर्व की आध्यात्मिक राजधानी काशी, भारत की सनातन चेतना के दो अमर केंद्र हैं। एक ने समुद्र की लहरों के बीच आस्था की ज्योति प्रज्वलित रखी, तो दूसरे ने गंगा की अविरल धारा के साथ ज्ञान, मोक्ष और अध्यात्म का संदेश विश्वभर में पहुंचाया।

उन्होंने कहा कि इतिहास में अनेक आक्रमणों के बावजूद सोमनाथ मंदिर हर बार और अधिक तेजस्विता एवं दिव्यता के साथ पुनर्स्थापित हुआ, जो भारत की सांस्कृतिक शक्ति और सनातन परंपरा की अमरता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सोमनाथ मंदिर और काशी विश्वनाथ धाम भारत की सनातन संस्कृति और अदम्य आध्यात्मिक शक्ति के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि विदेशी आक्रांताओं ने मंदिरों और धार्मिक स्थलों को नष्ट करने का प्रयास किया, लेकिन भारत की आत्मा और सनातन संस्कृति को कभी समाप्त नहीं कर सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि सनातन केवल मंदिरों की दीवारों में नहीं, बल्कि भारत की चेतना में बसता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक धरोहरों के पुनर्जागरण की सराहना करते हुए काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक और अयोध्या धाम जैसी परियोजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि नया भारत अपनी विरासत पर गर्व करने वाला भारत है इस अवसर पर मंत्री अनिल राजभर, रविंद्र जायसवाल, दयाशंकर मिश्र 'दयालु', हंसराज विश्वकर्मा, महापौर अशोक कुमार तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या, विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी, सौरभ श्रीवास्तव, डॉ. अवधेश सिंह, टी. राम सहित मंडलायुक्त एस. राजलिंगम, जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

दिल्ली में आयोजित सीआईआई की वार्षिक बिजनेस समिट में सम्मिलित हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

हमने पिछली सरकारों के गड्ढों को भरा: मुख्यमंत्री योगी

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित सीआईआई की वार्षिक बिजनेस समिट-2026 में उत्तर प्रदेश के आर्थिक और औद्योगिक परिवर्तन की विस्तृत तस्वीर पेश करते हुए कहा कि हमने अभी तक नींव को पुख्ता किया है, पिछली सरकारों के पाप के गड्ढों को भरा है। अब डबल इंजन की सरकार को बुलेट ट्रेन की स्पीड से आगे बढ़ाने की बारी है। किसी भी राष्ट्र की आर्थिक प्रगति उसकी मैन्युफैक्चरिंग शक्ति पर निर्भर करती है। उद्योग और उद्यमिता मजबूत होंगे तो रोजगार, निवेश और समृद्धि स्वतः बढ़ेगी। दुनिया के अधिसंख्य संघर्षों और युद्धों के पीछे भी आर्थिक हित ही प्रमुख कारण रहे हैं। ऐसे में कोई भी देश अपने उद्यमियों की उपेक्षा नहीं कर सकता। सीएम योगी ने कहा कि आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है। 75 वर्ष पहले आज के दिन ही प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ महादेव की प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी द्वारा पुनर्प्रतिष्ठा संपन्न हुई थी। आज ही के दिन अटल जी ने पोखरण में परमाणु परीक्षण के माध्यम से ह्यऑपरेशन शक्तिह्ल का प्रदर्शन किया था। भारत की यह ताकत न केवल उसके सामर्थ्य का प्रतीक है, बल्कि वैश्विक मानवता एवं कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त करती है। जिसके पास शक्ति होगी, जो सामर्थ्यवान होगा, वही करुणा व मैत्री का मार्ग भी प्रशस्त कर पाएगा। केवल हाथ फैलाने, गिड़गिड़ाने से दुनिया हमें गंभीरता से नहीं लेगी। कोई हमारी बात नहीं मानेगा और न ही हम पर विश्वास करेगा।

अनेक प्रश्नचिह्न लगे थे उत्तर प्रदेश पर

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय ऐसा था, जब उत्तर प्रदेश अपनी पहचान के संकट से जूझ रहा था। प्रदेश का नाम सुनते ही लोग दूरी बना लेते थे। कानून व्यवस्था की स्थिति इतनी खराब थी कि हर वर्ष 300 से अधिक दंगे होते थे, गुंडा टैक्स वसूला जाता था और उद्यमी पलायन करने को मजबूर थे। उत्तर प्रदेश के नाम के आगे ह्यउत्तरह्ल था, लेकिन स्वयं उसके ऊपर अनेक प्रश्नचिह्न लगे हुए थे। प्रदेश दंगों, माफिया राज, गुंडा टैक्स और पलायन की पहचान बन चुका था। यात्रा कर रहे लोग अंधेरा होते ही सड़कों पर गड्ढे दिखने पर समझ जाते थे कि यूपी का बॉर्डर आ गया है। 2017 से पहले यही उत्तर प्रदेश की पहचान बनी थी। मुख्यमंत्री ने बताया कि जब वह पहली बार सांसद बने थे और गोरखपुर के बंद पड़े फर्टिलाइजर कारखाने को शुरू कराने के लिए तत्कालीन केंद्रीय मंत्री से मिले, तो

उनसे पूछा गया कि 'यूपी में चुनाव जीतकर आए हैं, कितने लोगों का मर्डर हुआ था?' यह उस दौर के उत्तर प्रदेश की छवि थी। 2017 में प्रधानमंत्री ने जब उन्हें उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी सौंपी, तब उनके पास प्रशासनिक अनुभव नहीं था। सीएम योगी ने कहा कि मैं तो मठ चलाता था, लेकिन मठ प्रबंधन का अनुभव मुझे प्रदेश चलाने में बड़ी सहायता कर रहा है। क्योंकि किसी भी मठ का अपना एक अनुशासन होता है। समयबद्ध तरीके से कार्यक्रम संचालित होते हैं। वित्त का भी अनुशासन होता है और हर प्रकार की सुरक्षा के लिए भी उस अनुशासन को लागू करना पड़ता है। मैंने उसी अनुभव को प्रदेश प्रशासन में लागू किया। सबसे पहली प्राथमिकता सुरक्षा का वातावरण स्थापित करना था। रूल ऑफ लॉ को लागू करने, पॉलिसी पैरालिसिस समाप्त करने और सेक्टोरल पॉलिसी बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया।

मुख्यमंत्री ने प्रयागराज का उदाहरण देते हुए कहा कि एक समय ऐसी स्थिति थी कि एक माफिया ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के काफिले तक को रुकवा दिया था। लेकिन आज उत्तर प्रदेश में कोई भी माफिया ऐसा दुस्साहस नहीं कर सकता। अब बेटियां सुरक्षित माहौल में स्कूल जा रही हैं और पश्चिमी उत्तर प्रदेश से पलायन करने वाले परिवार लौट रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कैराना का उल्लेख करते हुए कहा कि 2015 में एक व्यापारी की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी, जिसके बाद पूरा परिवार प्रदेश छोड़कर चला गया। लेकिन अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के बाद वही परिवार वापस लौटा। किसी भी राज्य के विकास की पहली शर्त सुरक्षा का वातावरण है और सरकार का दायित्व है कि वह हर नागरिक को सुरक्षा प्रदान करे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरक्षा के साथ-साथ सरकार ने कृषि और उद्योग दोनों क्षेत्रों में व्यापक सुधार किए। किसानों की आत्महत्या रोकने, खेती को तकनीक से जोड़ने और एमएसएमई सेक्टर को मजबूत करने पर विशेष काम हुआ। सरकार ने बड़े निवेशों को आकर्षित करने के लिए लैंड बैंक तैयार किया और उद्योगों के लिए स्पष्ट नीतियां बनाई। 2018 में शुरू की गई वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट योजना आज प्रदेश के स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिला रही है। ओडीओपी के माध्यम से डिजाइन, पैकेजिंग, तकनीक और ब्रांडिंग को बढ़ावा दिया गया। 96 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां प्रदेश में रोजगार और उत्पादन का आधार बन चुकी हैं। एमएसएमई सेक्टर लगभग 3 करोड़ युवाओं को रोजगार दे रहा है। इसलिए यह सरकार की जिम्मेदारी है कि उद्योगों को सुरक्षा, कनेक्टिविटी और मजबूत सप्लाई चेन उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष उत्तर प्रदेश में 156 करोड़ पर्यटक आए, जिनमें महाकुंभ में आए 66-67 करोड़

सीआईआई समिट में योगी मॉडल की सराहना, उद्योग जगत बोला: यूपी बना निवेश और सुशासन का नया केंद्र

नई दिल्ली। सीआईआई एनुअल बिजनेस समिट–2026 में उद्योग जगत ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और उत्तर प्रदेश में हुए बदलावों की जमकर सराहना की। देशभर से आए उद्योगपतियों, निवेशकों और कॉरपोरेट प्रतिनिधियों ने कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने कानून व्यवस्था, निवेश, आधारभूत संरचना और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में नई पहचान बनाई है। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने मुख्यमंत्री योगी का स्वागत करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश ने पिछले कुछ वर्षों में भारत की आर्थिक प्रगति में अभूतपूर्व योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में आधारभूत संरचना का तेजी से विकास हुआ है तथा निवेश और व्यापार को नई गति मिली है। बनर्जी ने कहा कि विनिर्माण, लॉजिस्टिक्स, डिजिटल गवर्नेंस, नगरीय विकास और युवाओं के सशक्तीकरण ने उत्तर प्रदेश को नई दिशा दी है।

सीआईआई अध्यक्ष राजीव मेमानी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश में फिनोमिनल ट्रांसफॉर्मेशन देखने को मिला है और उद्योग जगत अब यूपी को पूरी तरह अलग नजरिए से देख रहा है। मेमानी ने सीएम से कहा कि अब देश और विदेश के उद्योगपति उत्तर प्रदेश में निवेश करना चाहते हैं और आपके आशीर्वाद व मार्गदर्शन से हम इस रास्ते को और मजबूत करेंगे। राजीव मेमानी ने योगी सरकार की कानून व्यवस्था और प्रशासनिक कार्यशैली की भी सराहना की। कार्यक्रम में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे और जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट जैसी परियोजनाओं का विशेष उल्लेख किया गया। मेमानी ने कहा कि इन परियोजनाओं ने उत्तर प्रदेश की कनेक्टिविटी और औद्योगिक संभावनाओं को पूरी तरह बदल दिया है। उन्होंने कहा कि जब लोग उत्तर प्रदेश से होकर यात्रा करते हैं तो उनकी यूपी को लेकर सोच पूरी तरह बदल जाती है। समिट में अयोध्या, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और महाकुंभ जैसे सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजनों की भी सराहना की गई। वक्ताओं ने कहा कि महाकुंभ का सफल आयोजन उत्तर प्रदेश की प्रशासनिक क्षमता और बड़े आयोजनों के कुशल प्रबंधन का उदाहरण है।

चित्रकूट में आयोजित रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए राज्य मंत्री

दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए नई पहचान बन चुका है रामभद्राचार्य विश्वविद्यालय: नरेंद्र कश्यप

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

चित्रकूट। चित्रकूट स्थित जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय में सोमवार को नौवें दीक्षांत समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में देशभर से पहुंचे शिक्षाविदों, संतों, जनप्रतिनिधियों एवं विद्यार्थियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह के दौरान मंत्री नरेंद्र कश्यप ने विश्वविद्यालय की शिक्षा व्यवस्था, अनुशासन एवं उत्कृष्ट प्रबंधन की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय आज दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास और सम्मानजनक जीवन की नई पहचान बन चुका है। यहां से शिक्षा प्राप्त कर निकलने वाले

विद्यार्थी देश और समाज में अपनी अलग पहचान स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जगद्गुरु रामभद्राचार्य द्वारा स्थापित यह विश्वविद्यालय हजारों दिव्यांग विद्यार्थियों के जीवन में नई रोशनी लेकर आया है। यहां विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी शिक्षा, संस्कार और बेहतर मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे वे अपने जीवन को नई दिशा देने में सफल हो रहे हैं। मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों के उत्थान, शिक्षा और आत्मनिर्भरता को लेकर गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शिक्षा और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में जो सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं, वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच का परिणाम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की प्रेरणा से दिव्यांगजनों के लिए नई योजनाएं एवं सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। इसका परिणाम है कि आज दिव्यांग विद्यार्थी शिक्षा, तकनीक, प्रशासन एवं अन्य क्षेत्रों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। समारोह के दौरान विश्वविद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राओं को उपाधियां एवं सम्मान प्रदान किए गए। उपस्थित अतिथियों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। विश्वविद्यालय परिसर में पूरे समय उत्साह, गर्व और उल्लास का माहौल बना रहा। मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि वह पूर्व में भी कई बार विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों में शामिल हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की मौजूदगी वाले आयोजनों में भी उन्हें मंच साझा करने का अवसर मिला है। उन्होंने विश्वास जताया कि चित्रकूट का यह विश्वविद्यालय आने वाले समय में देश के श्रेष्ठ शिक्षण संस्थानों में अपनी अलग पहचान स्थापित करेगा।

विकास जैन को समाज सेवा के लिए मिला नवरत्न समर्पण विशेष पुरस्कार 2026

नोएडा (स्वास्तिक सहारा)। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष और विख्यात समाजसेवी विकास जैन को समाज सेवा के क्षेत्र में उनके 25 वर्षों के बेमिसाल समर्पण के लिए नवरत्न समर्पण विशेष पुरस्कार 2026 से नवाजा गया। नोएडा के सेक्टर-6 में आयोजित इस गरिमामयी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद डॉ. महेश शर्मा, पूर्व महिला आयोग की अध्यक्षा विमला बाथम, नवरत्न फाउंडेशन के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव और प्रीति श्रीवास्तव उपस्थित रहे। कोशिश हमारी संस्था के अध्यक्ष के रूप में विकास जैन ने नोएडा में सेवा का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उनके नेतृत्व में संस्था ने अब तक 750 सफल ऑपरेशन कराए हैं। इसमें एक जन्म से अंधे बच्चे को ऑपरेशन के जरिए नई रोशनी देना उनकी सबसे बड़ी मानवीय उपलब्धियों में से एक है। समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता उनके कार्यों

में स्पष्ट झलकती है। उनके द्वारा निर्धन और निम्न वर्ग के बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना, समाज को नशे की बुराई से मुक्त करने के लिए निरंतर जागरूकता अभियान चलाना एवं लोगों को नेत्रदान के महादान के लिए प्रेरित करना आदि मुख्य कार्य हैं। पुरस्कार ग्रहण करने के बाद विकास जैन ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी माता जी को दिया। उन्होंने कहा की बिना माँ के सहयोग और संस्कारों के कोई भी बच्चा जीवन में उन्नति नहीं कर सकता। आज मदर्स डे है और इस खास दिन पर यह उपहार मिलना मेरे जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। मैं इस सम्मान को अपनी पूजनीय माँ को समर्पित करता हूँ। सभी ने विकास जैन के निस्वार्थ सेवा भाव की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। इस विशेष अवसर पर उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के पदाधिकारी प्रदेश उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल, अध्यक्ष उद्योग प्रकोष्ठ शक्ति सिंह, प्रदेश सचिव शिवा चौहान आदि भी अपने अध्यक्ष का उत्साहवर्धन करने पहुँचे।

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व की अध्यक्षता में आइजीआरएस पोर्टल की समीक्षा बैठक हुई संपन्न

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

गौतमबुद्धनगर। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में आईजीआरएस पोर्टल की समीक्षा बैठक संपन्न हुई, जिसमें आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के निस्तारण की प्रगति एवं फीडबैक की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गयी। समीक्षा के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने असंतुष्ट फीडबैक एवं डिफॉल्टर श्रेणी में आने वाले प्रकरणों पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने प्रभारी अधिकारी आइजीआरएस को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन विभागों में असंतुष्ट फीडबैक प्राप्त हुए हैं, उनके संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध स्पष्टीकरण एवं चेतावनी जारी करने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने कहा कि आईजीआरएस पोर्टल की समीक्षा

शासन स्तर पर की जाती है और उसी के आधार पर जनपद की रैंकिंग निर्धारित होती है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रत्येक अधिकारी को यह सुनिश्चित करना होगा कि शिकायतकर्ता की समस्याओं का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण समाधान उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि सभी अधिकारी शिकायतकर्ता से दूरभाष पर वार्ता करें तथा निर्धारित समयावधि में शिकायतों का निस्तारण करें। साथ ही कहा कि प्रतिदिन अधिकारीगण अपने-अपने कार्यालय में आइजीआरएस पोर्टल की मॉनिटरिंग स्वयं करें। बैठक में डिप्टी कलेक्टर अभय कुमार, मुख्य पंचायत अधिकारी प्रियंका चतुर्वेदी, जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार, सहायक श्रमायुक्त सुयश पांडे, एसीएमओ संजीव सारस्वत, खंड विकास अधिकारी नेहा, प्राधिकरण एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जनपद में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व'

भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री जी के संबोधन का हुआ लाइव प्रसारण

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

गौतमबुद्धनगर। शासन के निदेर्शानुसार सोमनाथ मंदिर पर हुए प्रथम आक्रमण के 1000 वर्ष तथा मंदिर के पुनरुद्धार के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' का आयोजन प्रदेशभर में श्रद्धा, उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न किया गया। इसी क्रम में जनपद गौतमबुद्धनगर में भी विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से यह पर्व भव्य रूप से मनाया गया।

जनपद गौतमबुद्धनगर के ग्राम सदरपुर, सेक्टर-45 नोएडा स्थित श्री वोड़ेश्वर महादेव मठ प्राचीन शिव मंदिर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में क्षेत्र के श्रद्धालुओं, सामाजिक प्रतिनिधियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने सहभागिता कर आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। मंदिर परिसर में आयोजित धार्मिक

कार्यक्रमों के दौरान भजन-कीर्तन एवं वैदिक मंत्रोच्चारण से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह एवं आस्था के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की। इस अवसर पर भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री जी के संबोधन का लाइव प्रसारण भी सामूहिक रूप से देखा गया। उपस्थित जनसमूह ने प्रसारण के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक मूल्यों एवं राष्ट्रीय स्वाभिमान से जुड़े विचारों को गंभीरता से सुना।

कार्यक्रम के दौरान भगवान शिव की आराधना के साथ भारतीय संस्कृति, आस्था एवं स्वाभिमान के भाव को सुदृढ़ करने का संदेश दिया गया। विभिन्न धार्मिक प्रस्तुतियों एवं प्रवचनों के माध्यम से सोमनाथ मंदिर के ऐतिहासिक महत्व, उसके संघर्षपूर्ण इतिहास तथा पुनरुत्थान की गौरवगाथा का उल्लेख किया गया, जिससे श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। इस प्रकार 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' जनपद गौतमबुद्धनगर में भव्यता एवं गरिमा के साथ संपन्न हुआ, जिसने सामाजिक एवं सांस्कृतिक एकता को और अधिक सुदृढ़ करने का कार्य किया। इसी प्रकार अन्य शिवालयों (शिव मंदिरों) में विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महानगर नोएडा जिलाध्यक्ष महेश चौहान, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, जिला पर्यटन अधिकारी सुरेश रावत, खंड विकास अधिकारी बिसरख तथा मंदिर के महंत सहित विभिन्न गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।